दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-11 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 14 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन भी विपक्ष का हंगामा, नहीं चल सका प्रश्नकाल

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा के बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन शुक्रवार को भी विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका। सुबह 11 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के इस्तीफे की मांग करने लगे। हंगामा थमता नहीं देख सदन को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की चेयर पर संध्या राय मौजूद थीं। हंगामे के बीच सदन को 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इससे पहले सांसदों ने पूर्व सांसद भगवान दास राठौर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे सदन की कार्यवाही केवल पांच मिनट ही चल सकी। गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहले चरण के खत्म होने के बाद 23 दिन के ब्रेक के बाद सत्र का दूसरा हिस्सा 9 मार्च से शुरू होगा और यह 2 अप्रैल तक चलेगा।

राज्यसभा में खरगे के भाषण के अंश हटाने पर विवाद, बहाली की मांग

नई दिल्ली,(ए.)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि चार फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान दिए गए उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा बिना उचित कारण के कार्यवाही से हटा दिया गया।खरगे ने शून्यकाल के बाद सदन में कहा कि उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में ही स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति का अभिभाषण राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, किंतु कई महत्वपूर्ण विषय उसमें शामिल नहीं होते। इसी संदर्भ में उन्होंने सामाजिक न्याय, संसदीय कार्यप्रणाली और सरकार की नीतियों पर अपने विचार रखे थे।उन्होंने कहा कि राज्यसभा की वेबसाइट पर अपलोड भाषण के शब्दश: पाठ की समीक्षा करने पर उन्हें पता चला कि उनके भाषण के वे हिस्से हटाए गए हैं, जिनमें उन्होंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संसदीय कामकाज पर तथ्यात्मक टिप्पणियां की थीं तथा प्रधानमंत्री की कुछ नीतियों की आलोचना की थी।

मध्य प्रदेश में सर्दी की विदाई के संकेत, ठंड का असर हुआ कम

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में अब सर्दी के विदाई के संकेत मिल रहे है। प्रदेश के 15 से ज्यादा शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है, जबकि रात का पारा भी 10 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा रहा है। हालांकि अगले दो दिनों तक हल्की ठंड बनी रह सकती है, लेकिन इसके बाद न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 13 और 16 फरवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो रहे हैं। इनका प्रभाव पहाड़ी इलाकों में ज्यादा रहेगा, जबकि मध्य प्रदेश में इसका असर सीमित रहने की संभावना है। फिलहाल सक्रिय सिस्टम के कारण प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में हल्के बादल देखे जा रहे हैं। बुधवार को कुछ जिलों में मौसम का मिजाज बदला रहा और गुरुवार को भी बादल छाने के आसार हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह के नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले में आयोजित प्रदर्शनी में स्थानीय पारंपरिक कलाकारों का उत्साह वर्धन किया।

उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर फॉर्म 7 का हो रहा दुरुप्रयोग..धड़ल्ले से नाम काटे जा रहे

सीजेआई के सामने वकील ने किया दावा, सुप्रीम कोर्ट में मामले को गंभीर माना

नई दिल्ली,(ए)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण के फॉर्म 7 के कथित दुरुपयोग के मामले लेकर एक मामला सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने आरोप लगाया कि कुछ लोग फॉर्म 7 का गलत इस्तेमाल कर लोगों के नाम मतदाता सूची से कट रहे हैं।फॉर्म 7 का प्रयोग आमतौर पर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने या नाम में बदलाव के लिए होता है, लेकिन वकील ने दावा किया कि इस नियम का गलत इस्तेमाल करके कई लोगों के नाम सूची से हटा दिए गए है।सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने मामले की गंभीरता को देखकर सुनवाई का भरोसा देकर कहा कि यह मुद्दा संवैधानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वकील ने विशेष रूप से बताया कि यूपी में कई नागरिकों के नाम मतदाता सूची से बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हटाए गए हैं, जिससे उनकी मतदान की अधिकारिता प्रभावित हो सकती है।

विचित्र कुमार सिन्हा स्मृति सम्मान समारोह आज

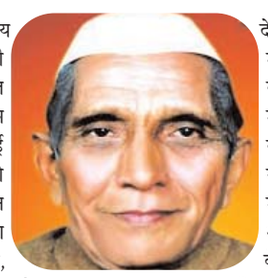

भोपाल। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, मूर्धन्य पत्रकार, कवि, लेखक एवं समाजसेवी स्वर्गीय विचित्र कुमार सिन्हा की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये विचित्र कुमार सिन्हा स्मृति समिति विगत कई वर्षों से उनकी जन्मतिथि 14 फरवरी को गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन कर रही है। इस समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, वरिष्ठ राजनेता, पत्रकार, समाजसेवी, साहित्यसेवी, पत्रछायाकार को विचित्र कुमार सिन्हा सम्मान से विभूषित किया जाता है। इसी समारोह में स्व. गंगाप्रसाद श्रीवास्तव जी की स्मृति में कर्मठ प्रशासनिक अधिकारी को कुशल प्रशासक के रूप में एवं संस्था के संस्थापक स्व.विजय गुप्ता एडव्होकेट की स्मृति में श्रेष्ठ विधि सेवी को विधि सेवी सम्मान से साथ ही स्व. श्री रविंद्र पंड्या जी की स्मृति में कुशल जनसंचार सेवी को जनसंचार सेवी सम्मान से सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम प्रतिवर्ष 14 फरवरी को आयोजित किया जाता है जिसकी निरन्तरता को देखते हुए इस वर्ष भी 14 फरवरी 2026 दिन शनिवार को राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान कोटरा सुल्तानाबाद लिंक रोड नं. 3 भोपाल में शाम 5.00 बजे से आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री विश्वास कैलाश सारंग, कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश, अध्यक्षता श्री उमंग सिंघार नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री, विशिष्ट अतिथि श्रीमती माया नारोलिया सांसद राज्य सभा के सानिध्य में होगा इस वर्ष कार्यक्रम में जिन विभूतियों का सम्मान होना है उनमें शौर्य सम्मान- ग्रुप केप्टन स्वर्गीय श्री वरूण सिंह, कर्मठ राजनैतिज्ञ सम्मान- श्री भगवानदास सबनानी, पत्रकारिता सम्मान- श्री पंकज श्रीवास्तव, समाजसेवी सम्मान- गुरूदेव श्री सुदेश शांडिल्य, साहित्य सेवी सम्मान-श्री दिनेश मालवीय, पत्र छायाकार सम्मान-श्री अनिल दीक्षित, गंगाप्रसाद श्रीवास्तव स्मृति कुशल प्रशासक सम्मान- श्री एस.एन. मिश्रा, विजय गुप्ता स्मृति विधिसेवी सम्मान- श्री अशोक पांडे, रविंद्र पंड्या स्मृति जनसंचार सेवी सम्मान- श्री अशोक मनवानी को प्रदान किया जायेगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का बड़ा फैसला, रूस से खरीदेंगे 10 हजार करोड़ की 288 S-400 मिसाइलें

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत अपनी हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) की बैठक में रूस से 288 नई S-400 मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी गई है। इस सौदे की अनुमानित लागत करीब 10,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह निर्णय मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों के स्टॉक को फिर से भरने और देश की एयर डिफेंस क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस खरीद में 120 छोटी दूरी वाली और 168 लंबी दूरी वाली मिसाइलें शामिल होंगी, जिन्हें फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के तहत खरीदा जाएगा। मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना ने S-400 सिस्टम का जिस आक्रामकता से इस्तेमाल किया था, उसने पड़ोसी मुल्क के होश उड़ा दिए थे। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों, अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट और सशस्त्र ड्रोन को मार गिराया था। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जब भारत ने S-400 का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 314 किलोमीटर की दूरी पर एक बड़े विमान को ढेर किया, तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया था। डर का आलम यह था कि पाकिस्तान ने अपने लगभग सभी ऑपरेशनल विमानों को भारत सीमा से हटाकर अफगानिस्तान और ईरान के पास वाले हवाई अड्डों पर भेज दिया था। अदमपुर और भुज सेक्टर में तैनात S-400 की वजह से ही 9 और 10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना ने उड़ान भरने की हिम्मत तक नहीं जुटाई थी।

किसानों से राहुल गांधी ने की मुलाकात, भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी?

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में कई किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक में अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ संभावित राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन पर चर्चा हुई।बैठक के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि इस व्यापार समझौते से कृषि आयात के लिए दरवाजे खुल गए हैं और आने वाले समय में अन्य फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। कांग्रेस के अनुसार, किसान नेताओं ने मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवों की खेती करने वाले किसानों की आजीविका को लेकर गहरी चिंता जताई। बैठक में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के सुखपाल सिंह खैरा, भारतीय किसान मजदूर यूनियन (हरियाणा) के एडवोकेट अशोक बलहारा, भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के बलदेव एस. जीरा, आम किसान यूनियन के केदार सिरोही और किसान मजदूर मोर्चा (इंडिया) के गुरमनीत एस. मंगत समेत अन्य संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। किसान नेताओं और राहुल गांधी ने कथित रूप से इस समझौते के विरोध और किसानों व खेतिहर मजदूरों की आजीविका की रक्षा के लिए बड़े राष्ट्रीय आंदोलन की जरूरत पर विचार किया।एक दिन पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया था कि सरकार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जरिए किसानों के हितों से समझौता कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंधाना से करेंगे लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित

विकास कार्यों का करेंगे भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना से 14 फरवरी शनिवार को प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये अंतरित करेंगे। योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 255 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 354 करोड़ रूपए 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। विशिष्ठ रूप से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 252 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना, 2.90 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाले पंधाना बस स्टैण्ड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन करेंगे।

वाराणसी-अयोध्या समेत यूपी की कई अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, जज को मिला ईमेल

वाराणसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शुक्रवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया, जब जिला जज को एक खौफनाक ईमेल प्राप्त हुआ। इस ईमेल में वाराणसी कचहरी, इलाहाबाद हाईकोर्ट और अयोध्या समेत प्रदेश के कई अन्य जनपदों के न्यायालय परिसरों को बम से उड़ाने की खुली धमकी दी गई। धमकी देने वाले ने प्रशासन को चुनौती देते हुए दोपहर 1 बजे का समय निर्धारित किया है और कहा है कि सिलसिलेवार 18 धमाके किए जाएंगे।

इस सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं।धमकी मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। आनन-फानन में वाराणसी कचहरी परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। सुरक्षा को देखते हुए कचहरी के साथ-साथ कलक्ट्रेट के सभी कार्यालय और रजिस्ट्री दफ्तर भी खाली कराए जा रहे हैं। इसी गहमागहमी के बीच परिसर में एक लावारिस अटैची मिलने से सनसनी और बढ़ गई। बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) मौके पर पहुंच गया है और अटैची की जांच में जुटा हुआ है। उधर, ईमेल में अयोध्या कचहरी का भी जिक्र होने के कारण वहां भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। अयोध्या में भी कचहरी परिसर खाली कराकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह धमकी भरा ईमेल तमिलनाडु के रहने वाले सुनिया डासन नामक व्यक्ति की आईडी से भेजा गया है।

विचित्र कुमार सिन्हा स्मृति सम्मान समारोह

14 फरवरी 2026

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष 1924 में मध्यप्रदेश के गुना जिले में श्री उमाचरण जी के घर जन्में विचित्र कुमार सिन्हा का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने एक साथ पत्रकार, राजनेता, कवि-कथाकार, स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी का जीवन जिया। सन् 1939 में वे मात्र पन्द्रह वर्ष की उम्र में झण्डा सत्याग्रह में कूद पड़े। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वे चार बार जेल में रहे। स्वतंत्रता संग्रामी के रूप में उन्होंने कला स्नातक और साहित्य रत्न की उपाधियाँ हासिल कीं। सन् 1949 में भोपाल सियासत में प्रथम संस्कृत स्कूल और हरिजन पाठशाला की स्थापना की। भोपाल में ही उन्होंने मित्र मण्डल की स्थापना कर स्वतंत्रता संग्राम-गतिविधियों को गति दी। स्वदेशी वस्तु उपयोग आंदोलन तथा खादी के प्रचार-प्रसार से भी जुड़े रहे। हस्तलिखित पत्रिका 'मित्रादेश' का प्रकाशन किया। उनकी प्रकाशित पुस्तकों में 'विद्रोह', 'चित्रकार से' (काव्य संग्रह), 'स्वयंवरा' 'लघुकथा संग्रह' और 'कुंडलियाँ जो मैंने कहीं' भाग-1 एवं भाग-2 हैं। इसके अलावा विशाल भारत, सरस्वती, हंस, धर्मयुग, कादम्बिनी सहित देश की सभी पत्र-पत्रिकाओं में लेखन किया। पत्रकार के रूप में उन्होंने 1942-47 के बीच 'पंचशील' और सन् 1950- 1967 की अवधि में हिन्दी 'ब्लिट्ज' का सफल प्रकाशन किया गया। सन् 1973 से साप्ताहिक 'विचित्र विनोद' का प्रकाशन प्रारंभ किया, जो आज तक निरन्तर है। सन् 1995 में नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से वहाँ के पहले दैनिक 'क्षितिज किरण' का प्रकाशन उनकी प्रेरणा से उनके पुत्र के.के. सक्सेना ने प्रारंभ किया जो वर्तमान में सीहोर, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) और जबलपुर से नियमित प्रकाशित हो रहा है। विचित्र कुमार सिन्हा ने पाँच सितम्बर 1995 को देवलोक गमन किया।

जनगणना से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति होती है तय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनगणना प्रशासनिक प्रक्रिया के साथ-साथ भविष्य की दिशा तय करने का है अभियान
प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिया डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। जनगणना के आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है। आज भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है। यह जनगणना केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक महत्व की भी है। जनगणना का कार्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सबसे व्यापक और निर्णायक अभियान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन में जनगणना-2027 की प्रक्रिया पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र में मुख्य सचिव अनुराग जैन, रजिस्ट्रॉर जनरल तथा जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव गृह शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी संभागायुक्त, कलेक्टर्स, नगर निगम आयुक्त तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। देश में आखिरी बार वर्ष 1931 में सामाजिक स्तर की जनगणना की गई थी। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया में गांवों, मजरों-टोलों के साथ-साथ बेचिराग गांवों की स्थिति के आंकलन की व्यवस्था करने की भी आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सड़क, अस्पताल, स्कूल एवं अन्य कार्यों की योजनाएं जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही बनाई जाती हैं। जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, यह राज्य की संवेदनशीलता, प्रशासन की विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रणनीति अपनाते हुए समयबद्ध रूप से जनगणना की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का केन्द्र मैदानी प्रशासनिक अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से जनगणना कार्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करते हुए जनगणना के सभी उद्देश्यों की समय सीमा में पूर्ति करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश के सभी कमिश्नर-कलेक्टरों से कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक चलेगा। उन्होंने आगामी महाशिवरात्रि और होली जैसे त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समितियों के साथ बैठक कर अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने में जन भावनाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। नागरिकों के स्वास्थ्य की दृष्टि से मिलावटी मिठाई, रंगों में मिलावट एवं अन्य खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। होली के त्यौहार में सामाजिक समरसता सुनिश्चित हो। प्रदेश में जल संरचनाओं के निर्माण में मुआवजे के प्रकरणों का निराकरण संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें विकास के साथ-साथ जनभावनाओं का ध्यान भी रखना है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भावांतर योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-रामजी योजना के क्रियान्वयन के लिए बेहतर प्रबंध किए जाएं। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया है।

राज्य निर्वाचन आयोग का स्थापना दिवस समारोह 16 फरवरी को

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग का 32वां स्थापना दिवस समारोह 16 फरवरी को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत होंगे। श्री रावत "वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका" विषय पर व्याख्यान देंगे।पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आर परशुराम "स्थानीय निर्वाचन में सुधार की चुनौतियाँ" विषय पर उद्बोधन देंगे। दैनिक भास्कर, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के विभागाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार सिंह "जमीनी लोकतंत्र में पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव" विषय पर और एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ स्थानीय निर्वाचन में न्यायालयीन सबक" विषय पर उद्बोधन देंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने बताया है कि समारोह में आयोग के निर्वाचन साहित्य-ई बुक का विमोचन और प्रेक्षा मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया जायेगा।

दो ताप विद्युत यूनिट ने बनाए 500 और 100 दिन बिना रुके उत्पादन करने के रिकार्ड

भोपाल (निप्र) मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की दो ताप विद्युत यूनिट ने शुक्रवार को बिना रूके लगातार विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड बनाया। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई (ATPS)की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने 500 दिन और सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी (STPS) की 250 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 10 ने 100 दिन बिना रूके लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 देश के सार्वजनिक क्षेत्र की तीसरी व स्टेट सेक्टर की प्रथम विद्युत यूनिट है जिसने लगातार 500 दिन विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया है। यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से सतत् विद्युत उत्पादन कर रही है।

मप्र पुलिस ने पांच नाबालिगों को किया सकुशल दस्तयाब

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में सतत रूप से की जा रही जनसुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़ी कार्रवाइयों के क्रम में नरसिंहपुर एवं शिवपुरी जिलों में नाबालिग बच्चों की सकुशल दस्तयाबी की दो प्रमुख कार्रवाइयाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं, जिन्होंने पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता एवं पेशेवर दक्षता को सशक्त रूप से रेखांकित किया है। नरसिंहपुरः चंद घंटों में दो नाबालिग बालिकाओं की सकुशल दस्तयाबीपुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को जानकारी दी गई कि गत 10 फरवरी को थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर में 9 वर्षीय एवं 8 वर्षीय बालिका के गुम होने की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस ने तत्काल सघन तलाश प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश के नेतृत्व में चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों एवं सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से व्यापक खोजबीन की गई। निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप दोनों बालिकाएं ग्राम कमती के सेमरावारी खेत स्थित कोहा के पेड़ के पास झाड़ियों में सुरक्षित अवस्था में मिलीं।

18 वर्ष से कम उम्र में शादी पर 2 साल की जेल और 1 लाख जुर्माना

मण्डला (ए.)। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध चलाए जा रहे 100 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के तीसरे चरण के तहत ग्राम पंचायत माधोपुर (तहसील बिछिया) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसके विरुद्ध बने कड़े कानूनों से अवगत कराया गया।वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि शासन के नियमों के अनुसार लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होने पर विवाह 'बाल विवाह' की श्रेणी में आता है। उन्होंने चेतावनी दी कि बाल विवाह करने, करवाने या उसमें शामिल होने वाले व्यक्तियों को 2 वर्ष का कारावास और 1 लाख रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं भुगतनी पड़ सकती हैं। बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और पंचायत सदस्यों ने सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए महिलाओं और बालिकाओं को आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गईविधिक सेवा प्राधिकरण की पी.एल.वी. श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने कानून के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लाभों के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और बहुउद्देशीय कार्यकर्ता हरिशंकर कछवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शराब पीकर सोया तो फिर नहीं उठा, मौत

इन्दौर (ए.) शराब की तलब में एक युवक की जान चली गई उसने बीमारी के चलते कुछ दिनों से शराब छोड़ रखी थी परन्तु तलब लगने पर जब उसने फिर जमकर शराब पी और सोया तो सोया ही रह गया सोने के दौरान ही उसकी मौत हो गई। मामला विजयनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम प्रकाश पिता शिवरतन उम्र बावन साल है। उसकी रात को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह पुताई का काम करता था और किराए के कमरे में अकेला रहता था। जांच में यह बात सामने आई है कि उसने कुछ दिनों पहले पीलिया हुआ था तो उसने शराब छोड़ दी थी लेकिन फिर पीने लगा। कल भी पी और अपने कमरे में सो गया और फिर सुबह नहीं उठा। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के दो प्रकरणों में 83 हजार 500 रुपये से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच (आरएनएस)। कलेक्टर हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में कुल 83 हजार 500 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक परसराम पिता विष्णुलाल निवासी हतुनिया द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 7500 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 32500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध खनिज उत्खननकर्ता वाहन मालिक किशनलाल पिता भेरूलाल गुर्जर निवासी जाट द्वारा मुरूम का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 25500 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार 500 रूपये इस प्रकार कुल 51000 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। इस प्रकार दो प्रकरणों में कुल 83 हजार 500 रूपये की शास्ति अधिरोपित की हैं।खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किए गए थे।

अधिकारी मित्र बनकर किसानों को उद्यानिकी के लिए करें प्रोत्साहित : मंत्री श्री कुशवाह

सतना (आरएनएस)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को सतना जिले में विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाने किसानों को अधिकारी नहीं, बल्कि उनके मित्र बनकर प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि जिले में उत्पादित प्रमुख उद्यानिकी फसलों के किसानों को खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करायी जा सकती है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि कृषि वर्ष 2026 में उद्यानिकी विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक किसानों को उद्यानिकी की योजनाओं से जोड़कर उद्यानिकी के रकबे का विस्तार करना है। उद्यानिकी अमला किसानों को फूड प्रोसेसिंग, मसालों की खेती और औषधीय खेती की ओर प्रोत्साहित करे। उन्होंने निर्देश दिये कि कृषि आदानों की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सतना जिले में प्याज और टमाटर के बहुतायत में उत्पादन को देखते हुए टमाटर, प्याज के शैम्पू, पेस्ट, पावडर एवं अन्य प्रसंस्करण यूनिट लगाने जिला स्तर पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित करें।सतना और मैहर जिले में लगभग 2 लाख हितग्राहियों को मिल रही है सामाजिक सुरक्षा पेंशनसामाजिक न्याय मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराई जाये। वर्तमान में सतना जिले में एक लाख 23 हजार और मैहर जिले में 69 हजार से अधिक हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित की जा रही है।

मंडलाः शाकाहारी भोजनालय में बन रहा था मांसाहारी भोजन, किया गया सील

मंडला, (ए.)। मध्य प्रदेश के मंडला में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार बस स्टैंड मंडला स्थित यात्री प्रतीक्षालय के समीप कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार

नगरपालिका परिषद द्वारा आवंटित एक दुकान जो शाकाहारी भोजनालय के नाम से संचालित थी, के भीतर शटर बंद कर अवैध रूप से मांसाहारी भोजन और बिरयानी पकाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की पुष्टि होने पर नायब तहसीलदार राम सिंह उलाड़ी के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस बल और नगरपालिका की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया।दुकान शाकाहारी भोजनालय के लिए आवंटित थी, किंतु इसके भीतर गुप्त रूप से मांसाहारी व्यंजन तैयार किए जा रहे थे। नायब तहसीलदार राम सिंह उलाड़ी के साथ राजस्व विभाग, नगरपालिका परिषद की टीम और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आयोजित किया राष्ट्रव्यापी मेगा कृषि ऋण आउट रीच अभियान

जबलपुर(आरएनएस)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, जिला अग्रणी बैंक, जबलपुर द्वारा सांस्कृतिक थिएटर, भंवरताल गार्डन में राष्ट्रव्यापी मेगा कृषि ऋण आउटरीच अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी. के. मिश्रा, कुलपति जेएनकेवीवी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहित कुमार, उपमहाप्रबंधक, केंद्रीय कार्यालय मुंबई द्वारा की गई। इस अवसर पररोहित कुमार द्वारा राइस मिल एवं दाल मिल उद्योग हेतु "फूड क्लस्टर प्रोडक्ट" का विशेष शुभारंभ (लॉन्च) किया गया। मंचासीन विशिष्ट अतिथियों में अविनाश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर; अमित शर्मा, डीन, जेएनकेवीवी; तथा अतुल कुमार श्रीवास्तव, डीन, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 400 से अधिक कृषकों, स्वयं सहायता समूह सदस्यों एवं बैंक सखियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर 25 करोड़ रूपये से अधिक के कृषि एवं संबद्ध ऋण स्वीकृत एवं वितरित किए गए।

एकादशी पर बाबा खाटू श्याम मंदिर पर लगी भक्तों की कतारें, निकली निशानयात्रा

राजगढ़, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में हाइवे स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर पर शुक्रवार को विजया एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मंदिर पर सुबह आरती से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गई, जो संध्या आरती तक अनवरत रुप से जारी रही। इस अवसर जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। पर्व के लिए मंदिर प्रबंधन समिति ने विशेष तैयारियां की, जिसमें बाबा का दिव्य श्रंगार उज्जैन से मंगवाए गए 51 किलो ताजा पुष्पों से किया गया साथ ही मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, पुष्पमालाओं से आर्कषक सुसज्जित किया गया। श्रद्वालु भव्य श्रंगार और बाबा श्याम की एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिखे।धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत मंगला आरती से हुई, इसके बाद दिन भर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विशेष आरतियों को क्रम जारी रहा। नगर के साथ-साथ आसपास के गांव और दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी तादाद में श्रद्वालु परिवार सहित बाबा के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर गांव, मौहल्लों से भव्य निशान यात्राएं निकाली गई। शहर की पिंजारा गली स्थित काली माता मंदिर से ढ़ोल-नगाड़ो के साथ निकाली गई निशानयात्रा विशेष आर्कषण का केन्द्र रही। भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस बल मुस्तैद रहा। नगर सुरक्षा समिति और स्वयंसेवकों ने दर्शन व्यवस्था में महत्वपूर्ण सहयोग दिया साथ ही श्रद्वालुओं के लिए पेयजल और प्रसाद वितरण की भी समुचित व्यवस्था की गई। विजया एकादशी पर बाबा श्याम के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब श्रद्वालुओं की अटूट श्रद्वा और विश्वास का प्रतीक रहा।

व्यापार समाचार

सस्ते सोने पर टूटे खरीदार! गिरावट के बाद फिर चढ़े सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पिछले सत्र की भारी गिरावट के बाद आज सोने और चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखी गई. निवेशकों द्वारा निचले स्तरों पर की गई वैल्यू बाइंग (सस्ते भाव पर खरीदारी) के कारण बाजार में 1 प्रतिशत से 2 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया.भारतीय वायदा बाजार में अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 1.08 प्रतिशत बढ़कर 1,54,480 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया.

वहीं, चांदी के मार्च वायदा में 2.59 प्रतिशत की बड़ी बढ़त दर्ज की गई और यह 2,42,564 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है.अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोमेक्स सोना 4,850 से 5,100 के बीच ट्रेड कर रहा है, जो हाल के 5,600 के उच्चतम स्तर से सुधार को दर्शाता है. चांदी भी .121 के रिकॉर्ड स्तर से गिरकर वर्तमान में 73-84 के दायरे में बनी हुई है.वैल्यू बाइंग: कीमतों में आई हालिया गिरावट को विशेषज्ञों ने हेल्दी प्रॉफिट बुकिंग करार दिया है. निवेशकों ने इसे खरीदारी के अच्छे मौके के रूप में देखा.भू-राजनीतिक और आर्थिक कारक: पीएल कैपिटल के सीईओ संदीप रायचूरा के अनुसार, अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक समझौतों के बावजूद, उच्च मुद्रास्फीति और वैश्विक अस्थिरता के कारण केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीदारी जारी है.भारत में जनवरी की बढ़ती महंगाई और वैश्विक अनिश्चितताओं ने सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग को बढ़ाए रखा है.बाजार जानकारों का मानना है कि सोने का दीर्घकालिक रुझान अभी भी सकारात्मक है. संदीप रायचूरा के मुताबिक, सोना 2026 के अंत तक 6,000 प्रति औंस के स्तर को छू सकता है. फिलहाल सोने के लिए 1,54,000 और चांदी के लिए 2,42,000 का स्तर एक मजबूत सपोर्ट (न्यूनतम आधार) के रूप में काम कर रहा है.निवेशकों की नजर अब शुक्रवार देर शाम आने वाले अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर है, जिससे फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों की दिशा तय होगी. विश्लेषकों का कहना है कि अगले 3 वर्षों तक सोने में तेजी का दौर बना रह सकता है.

एक्सप्रेसवे पर सफर करने वालों की मौज!

अब पूरी सड़क नहीं तो पूरा पैसा नहीं, टोल टैक्स के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में एक्सप्रेसवे पर लंबी दूरी का सफर करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ी राहत का ऐलान किया है। अब अधूरे या आंशिक रूप से खुले एक्सप्रेसवे पर यात्रियों को भारी-भरकम टोल टैक्स नहीं चुकाना पड़ेगा। सरकार ने टोल वसूली के नियमों में अहम बदलाव करते हुए फैसला लिया है कि जब तक कोई एक्सप्रेसवे पूरी तरह (शुरुआत से अंत तक) चालू नहीं हो जाता, तब तक उस पर केवल सामान्य नेशनल हाईवे की दरों से ही टोल लिया जाएगा। यह नया नियम 15 फरवरी 2026 यानी इसी रविवार से देशभर में लागू हो जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय ने 'नेशनल हाईवे फीस (निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008' में संशोधन कर दिया है। इस संशोधन के बाद अब टोल कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगेगी। नई व्यवस्था के तहत, अगर किसी एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है और उसे टुकड़ों में या आंशिक रूप से जनता के लिए खोला गया है, तो वहां प्रीमियम एक्सप्रेसवे वाली दरें नहीं वसूली जा सकेंगी। यात्रियों को सिर्फ इस्तेमाल किए जा रहे चालू हिस्से का ही टोल देना होगा और सबसे बड़ी बात यह है कि यह टोल सामान्य नेशनल हाईवे की सस्ती दरों पर आधारित होगा। इससे पहले, कई जगहों पर सुविधा पूरी न मिलने के बावजूद यात्रियों से एक्सप्रेसवे का पूरा चार्ज लिया जाता था, जिसे लेकर अक्सर नाराजगी देखी जाती थी।सरकार के इस फैसले का सीधा असर ट्रैफिक व्यवस्था पर भी पड़ेगा। माना जा रहा है कि टोल की दरें कम होने से वाहन चालक पुराने और भीड़भाड़ वाले रास्तों को छोड़कर नए बने एक्सप्रेसवे के चालू हिस्सों का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे।

भारतीय पासपोर्ट की ताकत बढ़ी, अब 75वें पायदान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय यात्रियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की चाहत रखने वाले नागरिकों के लिए एक सुखद खबर सामने आई है. साल 2026 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट ने अपनी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है. पिछले साल के मुकाबले 10 पायदानों का सुधार करते हुए भारत अब 75वें स्थान पर पहुंच गया है. साल 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक स्तर पर भारतीय पासपोर्ट की स्वीकार्यता बढ़ी है.

इस रैंकिंग में सुधार का सीधा फायदा आम भारतीय यात्रियों को मिलने वाला है. अब भारतीय पासपोर्ट धारक दुनिया के 56 देशों में बिना किसी पूर्व वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं. यह सुधार न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि विदेशों के साथ भारत के मजबूत होते कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों का भी प्रमाण है.

हालांकि 75वीं रैंक एक सकारात्मक कदम है, लेकिन भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2006 में था, जब वह 71वें स्थान पर था. पिछले कुछ सालों में भारत की रैंकिंग में गिरावट देखी गई थी—साल 2024 में भारत 80वें और 2025 में 85वें पायदान पर खिसक गया था. मौजूदा उछाल ने इस गिरावट को रोकते हुए भारतीय पासपोर्ट को फिर से मजबूती की ओर धकेल दिया है.

वैश्विक स्तर पर सिंगापुर ने अपनी बादशाहत बरकरार रखी है. सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट बना हुआ है, जिसके नागरिक 192 देशों में बिना वीजा के प्रवेश कर सकते हैं. इसके बाद दूसरे स्थान पर जापान और दक्षिण कोरिया (187 देश) हैं, जबकि तीसरे स्थान पर स्वीडन और यूएई (186 देश) का कब्जा है. अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी टॉप 10 में बने हुए हैं.

बता दें कि, पासपोर्ट की शक्ति किसी देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और उसकी सॉफ्ट पावर का प्रतीक होती है. भारत का 75वें स्थान पर आना यह दर्शाता है कि दुनिया अब भारतीयों के लिए अपने दरवाजे और अधिक आसानी से खोल रही है.

अमेरिका से एशिया तक शेयर बाजार धड़ाम, निवेशकों के 90 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की तकनीकी क्रांति अब ग्लोबल शेयर बाजारों के लिए चिंता का सबब बनती जा रही है। अमेरिका में AI को लेकर फैली घबराहट ने बाजारों में कोहराम मचा दिया है। आलम यह है कि अमेरिकी शेयर बाजारों में आई भारी गिरावट के चलते निवेशकों के करीब 1 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। यह गिरावट सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि शुक्रवार को इसका असर एशियाई बाजारों पर भी साफ दिखाई दिया, जहां शुरुआत भारी कमजोरी के साथ हुई। निवेशकों के मन में यह डर घर कर गया है कि AI के नए टूल्स कई पारंपरिक बिजनेस मॉडल्स को खत्म कर सकते हैं।गुरुवार को अमेरिकी बाजार में बिकवाली का ऐसा दौर चला कि वहां के तीनों प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। S&P 500 इंडेक्स 1.57% और Dow Jones Industrial Average 1.34% टूट गया। वहीं, टेक्नोलॉजी शेयरों वाला Nasdaq Composite सबसे ज्यादा 2.03त्न की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह यह डर है कि AI आधारित नए टूल्स ट्रकिंग, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सॉफ्टवेयर जैसे पारंपरिक सेक्टर्स के मौजूदा कामकाज को पूरी तरह बदल देंगे।

गुंडागर्दी और गाली-गलौज करने वाले रिकवरी एजेंटों की अब खैर नहीं, आरबीआई ला रहा है ये कड़े कानून

नई दिल्ली,(आरएनएस)। अगर आपने बैंक से लोन लिया है और आप रिकवरी एजेंटों के व्यवहार से परेशान रहते हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली की प्रक्रिया को सुधारने और ग्राहकों को उत्पीड़न से बचाने के लिए नए नियमों का एक कच्चा मसौदा पेश किया है.आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के हालिया बयानों के बाद आए इन नियमों का सीधा उद्देश्य वसूली प्रक्रिया में गुंडागर्दी को खत्म करना और सभ्यता लाना है.नए नियमों के तहत, बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि रिकवरी एजेंट और ग्राहक के बीच होने वाली हर फोन कॉल रिकॉर्ड की जाए. इसका फायदा यह होगा कि अगर कोई एजेंट बदतमीजी करता है या धमकी देता है, तो ग्राहक के पास सबूत होगा और बैंक की जवाबदेही तय की जा सकेगी.अब कोई भी व्यक्ति राह चलते रिकवरी एजेंट नहीं बन सकेगा. आरबीआई ने प्रस्ताव दिया है कि सभी एजेंटों को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस से विशेष ट्रेनिंग और सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा. इससे उन्हें यह पता होगा कि ग्राहकों से बात करने का कानूनी और सही तरीका क्या है.

अक्सर देखा गया है कि एजेंट आधी रात को फोन करते हैं या घर में किसी की मौत होने या शादी होने पर भी पहुंच जाते हैं. आरबीआई ने अब इस पर कड़ा रुख अपनाया है:

एंथ्रोपिक ने जुटाया 2,700 अरब रुपये का नया निवेश, दोगुना हुआ कंपनी का मूल्यांकन

नईदिल्ली (आरएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने नए फंडिंग राउंड में 30 अरब डॉलर (लगभग 2,700 अरब रुपये) जुटाए हैं। इस बड़े निवेश के बाद कंपनी की मूल्यांकन बढ़कर 380 अरब डॉलर (लगभग 34,000 अरब रुपये) हो गई है, जो पहले के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह डील दिखाती है कि एआई सेक्टर में निवेशकों की दिलचस्पी लगातार तेजी से बढ़ रही है। इस फंडिंग राउंड में कई बड़े ग्लोबल निवेशकों ने हिस्सा लिया है।

कंपनी ने बताया कि उसका मौजूदा रन-रेट राजस्व 14 अरब डॉलर (लगभग 1,300 अरब रुपये) तक पहुंच गया है। केवल क्लॉड कोड से 2.5 अरब डॉलर (लगभग 220 अरब रुपये) से ज्यादा का रन-रेट राजस्व मिल रहा है। इस साल की शुरुआत से इसके बिजनेस सब्सक्रिप्शन चार गुना तक बढ़ चुके हैं। अब कंपनी की कुल कमाई का बड़ा हिस्सा एंटरप्राइज ग्राहकों से आ रहा है, जो अपने रोजमर्रा के काम के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

एंथ्रोपिक ने अपने क्लाउड चैटबॉट और खास तौर पर कोडिंग मॉडल क्लॉड के जरिए अलग पहचान बनाई है। कंपनी ने अपने एआई मॉडल की ट्रेनिंग में कोडिंग और टेक्निकल टास्क पर खास ध्यान दिया है, जिससे लोकप्रियता बढ़ी है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार-बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे।

मगर इस पर घंटों तक टाल-मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया- जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टत: ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त-व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर प्रश्न है कि किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? सरकार के पास कुछ ढकने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि वह तुरंत किताब प्रकाशन की मंजूरी दे, ताकि देश तत्कालीन सेनाध्यक्ष के अनुभव उनके ही शब्दों में जान सके।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन, योजना (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 18वें स्थापना दिवस में शामिल हुए।

भोपाल की माटी को धन्य किया विचित्र कुमार सिन्हा जी ने

आजादी के दिवाने थे विचित्र कुमार सिन्हा जी

14 फरवरी जन्मतिथि पर विशेष

-श्रीमती उषा जायसवाल

चुम्बकीय व्यक्तित्व वाले श्री विचित्र कुमार सिन्हा में किसी को अपना बनाने की अद्भुत क्षमता थी। वे सहज ही किसी को अपना बनाने की कला में उसी प्रकार सिद्धहस्त थे जैसे भृंगीकीट अपने अनुकूल अन्य कीट को बनाने में समर्थ होता है। यह कथन श्री विचित्र कुमार सिन्हा पर शत प्रतिशत सत्य है कि वे परिचितों को ही नहीं अपरिचितों तक को अपना बनाने की कला में पारंगत थे। तभी वे मणिकांचन संयोग उत्पन्न करने में प्रवीण थे। वस्तुत: वे अनेक गुणों के स्त्रोत थे। उनेक व्यक्तित्व में साहित्यिक, राजनीतिक, सामाजिक धाराओं से बढ़कर मानवीय धारा का अजस्त्र प्रवाह था। उनके व्यक्तित्व को अलग-अलग खण्डों में बाँटा देखना कठिन सा ही नहीं वरन् असंभव भी है। उनका स्वरूप सर्वत्र दृष्टिगोचर होता था। उनमें सिद्धांतों पर अटल रहने की दृढ़ता थी तो मानवीय मूल्यों के प्रति सहज सहृदयता भी थीं।

श्री विचित्र कुमार सिन्हा भोपाल की माटी में ऐसे रच-बस गये थे कि वे आजीवन इसी के होकर रह गये थे। वे भोपाल की साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, पत्रकारिता के अभिन्न अंग बन गये थे। किसी व्यक्ति का एक क्षेत्र में ही स्थान बनाना प्राय: कठिन होता है किन्तु उन्होंने अपने कौशल से सभी क्षेत्रों में ऐसा स्थान बनाया जिससे वे सदा चिर स्मरणीय बन गये। उन्होंने अपनी प्रतिभा-पौरूष से भोपाल की माटी को धन्य किया। वे मात्र भोपाल के परिवेश-परिदृश्य, युग-युति के साक्षी ही नहीं थे वरन् अपरिहार्य अंग भी थे। इसीलिये वे अनुपम अनूठे व्यक्ति बन गये थे। भले ही उन्होंने अवसरवादी बन कर धन न कमाया हो किन्तु विपुल यशोधन के स्वामी अवश्य थे। उनका आदर्श जीवन प्रेरक तथा प्रतिष्ठित रहा है।

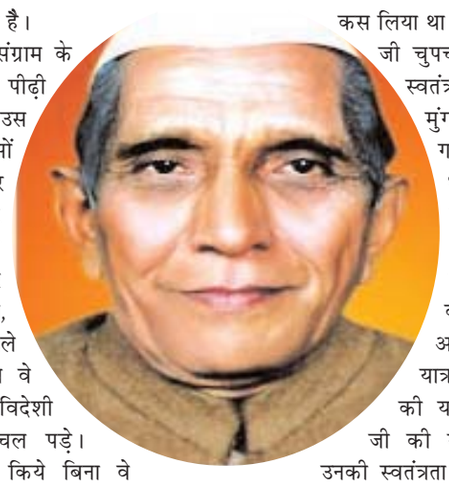

वस्तुत: स्वतंत्रता संग्राम के जिस दौर में और जिस पीढ़ी के मध्य वे खड़े थे उस काल में सुख-सुविधाओं का परित्याग कर कबीर की भांति उद्घोष कर निकल पड़े कि %%कबिरा खड़ा बाजार में, लिये लुकाठी हाथ, जो घर जारे आपना, चले हमारे साथ''। सचमुच वे अंगारों से खेलने और विदेशी दासता से टकराने चल पड़े। परिणामों की परवाह किये बिना वे तलवार की धार पर चलते रहे, जहां पग-पग पर लहूलुहान होने का जबरर्दस्त खतरा था। फिर भी वे स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने और मातृभूमि पर बलिदान होने की भावना से भरकर निकल पड़े। मात्र पन्द्रह वर्ष की आयु में ही वे स्वतंत्रता संग्राम की अग्नि में कूद पड़े। उन्होंने सन् 1931 में झण्डा आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के फलस्वरूप होशंगाबाद जेल में प्रथम बार चार माह के कारावास की सजा काटी। इसके बाद सन् 1942 का वह काल आया जब सारे देश में अंग्रेजों के विरूद्ध खुला विद्रोह छिड़ गया। गांधी जी के %%करो या मरो'' के आंदोलन की चिंगारी जगह-जगह ज्वाला बनकर फैल गई। एक ओर क्रांतिकारी अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने में लड़े थे तो दूसरी ओर प्रशसान उन्हें जेलों में ठूंसने, लाठी-डण्डा, गोली मारने के लिये कमर कस लिया था। ऐसे समय में विचित्र कुमार जी चुपचाप कहां बैठने वाले थे वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े और मुंगावली जेल में बंद कर दिये गये। इसके बाद सन् 1944 में भैरोगढ़ जेल तत्पश्चात् 1947 में राजनांदगांव जेल में बंद किये गये। यह उनका युवाकाल था। मात्र 23 वर्ष की आयु में वे 9 माह से अधिक समय तक जेल की यात्राएं की और ब्रिटिश सरकार की यातनाएं झेली।विचित्र कुमार जी की राजनैतिक जागरूकता और उनकी स्वतंत्रता संग्राम की पिपासा ने उन्हें पत्रकारिता की दिशा में प्रेरित कर उनकी लेखनी को धारदार बनाने तथा जनता को जागृत करने को अग्रसर किया। वे भोपाल अंचल की जनता को जगाने तथा स्वतंत्रता संग्राम की मुख्य धारा से जोडने के लिये ''प्रजा की पुकार'', ''पंचशील'' तथा ''हिन्दी ब्लिट्ज'' जैसे समाचार-पत्र-पत्रिका के माध्यम से जन जागृति उत्पन्न करने लगे। उनके द्वारा सन् 1973 में भोपाल से प्रारंभ किये गये साप्ताहिक ''विचित्र विनोद'' के माध्यम से राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक जागरूकता उत्पन्न करने लगे। देश सेवा के पुनीत कार्यों को गति देने के लिये उनके सुपुत्र कृष्णकांत सक्सेना ने सन् 1995 से उनके अवसान के बाद भी दैनिक ''क्षितिज किरण'' का प्रकाशन होशंगाबाद, जबलपुर और सीहोर से भी बीड़ा उठाकर प्रकाशन कार्य कर रहे है।श्री विचित्र कुमार सिनहा जिन्हें हम लोग आदर से बाबूजी कहते थे, एक ऐसे साहित्य सेवी थे जिनकी गणना प्रख्यात साहित्यकारों में की जाती थीं। साहित्य की लगभग सभी विधाओं में उन्होंने अपनी लेखनी चलाई थी। कविता-कहानी-लेख-व्यंग के क्षेत्र में तो उन्होंने काफी ख्याति अर्जित की थी। उनकी कहानियाँ ''धरती पुत्र'', ''स्वयंवरा'', तथा ''बदरा बरस गये'' का तो फिल्मांकन भी सम्पन्न हुआ। विचित्र कविराय के नाम से रचित उनकी कुण्डलियाँ तो विशेष रूप से आज भी चर्चित है। कुण्डलियों के माध्यम से सम सामयिक विषयों-घटनाक्रमों पर लेखनी चलाकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मेरी तो दृढ़ मान्यता है कि यदि बाबूजी मात्र साहित्यकार होते तो साहित्य की अमूल्य सेवा से साहित्य जगत को धन्य कर देते किन्तु समय की मांग तथा युग की आहट को अनसुना न करते हुए राजनैतिक तथा सामाजिक समस्याओं से जूझने के लिये अपने को बिना आगा-पीछा सोचे स्वतंत्रता की डगर पर चल पड़े। श्री लालबहादुर शास्त्री, जिन्हें वे अपना पथ प्रदर्शक तथा सलाहकार मानते थे उनकी ही प्रेरणा से वे अपने सिद्धांतों पर बिना किसी लोभ-मोह के डटे रहे। रायगढ़ रियासत और भोपाल के विलीनीकरण आंदोलन में भी उनका सराहनीय योगदान रहा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता।बाबूजी के संपर्क में अदृश्य रूप से आज भी हमें प्रतीत होता है कि बाबूजी का वरदहस्त हमारे सिर पर है और हमें हर विचलन में सहारा देता रहता है। आज के बढ़ते संवेदनहीन समय में उन जैसे अत्यंत संवेदनशील महापुरूषों की बड़ी याद आती है, जो परिचित या अपिरिचित सभी के लिये ढाल जैसा खड़े दिखाई देते थे। ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति किसके आकर्षण के केन्द्र नहीं हो सकते ? और किसके आत्मीय नहीं होंगे ?

बांग्लादेश में बीएनपी की वापसी

-कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश की राजनीति में लंबे अंतराल के बाद एक बड़ा बदलाव आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्पष्ट जीत और उसके नेता तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना ने न केवल ढाका की सत्ता संरचना को बदला है, बल्कि नई दिल्ली की कूटनीतिक प्राथमिकताओं को भी सक्रिय कर दिया है। चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाताओं ने स्थिरता, अनुभव और राजनीतिक विरासत को प्राथमिकता दी। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस परिवर्तन का भारत-बांग्लादेश संबंधों और विशेष रूप से बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भू-राजनीतिक रूप से गहरे जुड़े रहे हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर हाल के वर्षों तक दोनों देशों ने सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत के साथ संबंध अपेक्षाकृत प्रगाढ़ रहे। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग और पूर्वोत्तर भारत के लिए ट्रांजिट सुविधाओं ने द्विपक्षीय भरोसे को मजबूत किया। ऐसे में सत्ता परिवर्तन को स्वाभाविक रूप से एक नए संतुलन की तलाश के रूप में देखा जा रहा है।

तारिक रहमान की वापसी और उनकी पार्टी की बहुमत के साथ जीत ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेशी मतदाता एक मजबूत राजनीतिक केंद्र चाहते हैं।

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

हरिशंकर व्यास

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चैनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना।

इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के

नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं।

एक दूसरी धारणा इनको प्रयोग मानने की है। माना जा रहा है कि ब्राह्मणवादी हिंदुत्व को कमजोर करने और बहुजन आधारित हिंदुत्व को मजबूत करने के प्रयोग के तौर पर ये दोनों काम हुए हैं। हिंदुत्व का चेहरा तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ है ही। अब इन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिससे इधर उधर भाग रही पिछड़े, दलित और आदिवासियों को इनके चेहरे के ईर्द गिर्द गोलबंद किया जाए। अगडों को निशाना बना कर यह काम किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा मान रही है कि अगड़ी जातियों के लोग मजबूरी में उसको वोट करेंगे इसलिए उनकी ज्यादा परवाह करने की जरुरत नहीं है। ध्यान रहे शंकराचार्य का पद ही ऐसा है, जो वेदपाठी, संस्कृत जानने वाले ब्राह्मण के लिए होता है।

शंकराचार्य ही शंकराचार्य नियुक्त करते हैं। बाकी कथावाचक कोई भी बन सकता है और महामंडलेश्वर का क्या है वह तो हिंदी सिनेमा की एक अभिनेत्री भी बन गई थी, जिसको अब हटाए जाने की खबर है। तभी चारों शंकराचार्यों के अलावा जितने भी कथावाचक, महामंडलेश्वर, योग गुरू, मठ, साधु, संत, मठ व धाम बनाने वाले लोग हैं उनमें से ज्यादातर ने शंकराचार्य वाले मुद्दे पर सरकार का समर्थन किया। वे शंकराचार्य को ही दोषी ठहराते रहे। रामदेव से लेकर रामभद्राचार्य तक ज्यादातर ने शंकराचार्य की ही गलती निकाली।

मेष राशि- आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीचसामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, इससे आपको आनंद की प्राप्ति होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा।

वृष राशि- आज का दिन सामजिक कार्यों में लगा रहेगा। समाजिक सुधार के कारण आपके पड़ोसी आपकी तारीफ कर सकते है और साथ ही आपका पूरा साथ देंगे। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि- आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। धर्म के सिलसिले में किसी पंडाल में भी जा सकते है। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन रोमांचक रहने वाला है। किसी बड़ी ऑर्गनाइजेशन की तरफ से आपके कला को सबके सामने प्रस्तुत कर सकते है। जिससे आपकी बहुत ज्यादा तारीफ हो सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में आज आपको अच्छे ऑफर आ सकते है। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन बेहतरीन होगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा।आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आने का योग बन रहा है। आपके व्यापार में दो गुना वृद्दि होने के चांस बन रहे है। आज परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। लवमेट वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके परिवार के बीच आपके रिश्तों की बात हो सकती है।

कन्या राशि- आज का दिन किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से हो जाएंगे। संगीत में रुझान वालों के लिए आज के दिन किसी बड़े शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप अपने स्कूलमेट दोस्तों के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकता है। पूरा दिन काफी इंज्वाय फूल रहेगा।

तुला राशि- आज का दिन लॉ के स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करने से आपके अच्छे मार्कस प्राप्त हो सकते है। आज पेरेंट्स को अपने बच्चों के खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के कर्मचारियों के लिए आज दिन अच्छा है।शाम को परिवार के सदस्यों के साथ कुछ मीठा खाने से जीवन में मिठास बढ़ेगी। सोसाइटी में आज आपको पहले किए किसी सामाजिक कार्य के लिए सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक राशि- आज का दिन लवमेट वालों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम में आ रही बाधाएं आज खत्म हो जाएंगी। विवाहित आज जीवनसाथी से ऐसा वादा न करें जो वे पूरा न कर सकें।

धनु राशि-आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा।

मकर राशि- आज का दिन पूरा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ रात को बाहर डिनर पर भी जा सकते हैं। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं , जिससे आपको आपके बिजनेस में काफी फायदा होने वाला है।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। अगर आप नयी जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं। इससे आपको भविष्य में फायदा जरूर होगा।

मीन राशि- आज का दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप उपयोगी वस्तु आज गिफ्ट कर सकते हैं। स्टूडेंट को आज अपनी पढ़ाई में बदलाव करने के लिए टाइम-टेबल मेंचेंजेस करने की जरूरत है। आज आपके बच्चे आपको गर्व महसूस करवा सकते है। जिससे समाज में आपका मान- सम्मान बढ़ेगा। प्राइवेट ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

अजीत द्विवेदी

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है? लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है।

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी।

एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं!

केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था।ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया। सोचें, इससे पहले कब अभिभाषण को लेकर इस तरह की आपत्ति राज्यपाल जताते थे? यह न्यू इंडिया की पिछले 12 साल की परिघटना है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार अभिभाषण में नुक्स निकालेंगे, उसे पढ़ने से मना कर कर देंगे या मनमाने तरीके से कुछ हिस्सा पढ़ेंगे और कुछ छोड़ देंगे।

अब तक यह परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण को शब्दश: पढ़ेंगे। लेकिन इन दिनों राज्यपालों को भाजपा विरोधी पार्टियों की सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण पढ़ने में बहुत कष्ट हो रहा है क्योंकि उसमें खुद राज्यपालों की भूमिका की आलोचना होती है और केंद्र सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए जाते हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल कार्यालय ने उनके अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी बताया है कि उसमें 'आधे अधूरे दावे और गुमराह करने वाली बातें' थीं। ध्यान रहे अभिभाषण चाहे राष्ट्रपति का हो या राज्यपालों का उसमें सरकारें अपनी उपलब्धियां ही बताती हैं वो सही हैं या गलत यह जांच करना राष्ट्रपति या राज्यपाल का काम नहीं होता है। पहले कोई भी इनकी जांच नहीं करता था। लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन यह अपवाद के लिए ही कहीं देखने को मिला होगा कि राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकारों की ओर से तैयार अभिभाषण पढ़ने से किसी राज्यपाल ने इनकार किया हो या उसमें सुधार किया हो।लेकिन अब यह इतनी सामान्य परिघटना हो गई है कि भाजपा विरोधी शासन वाले राज्यों का हर राज्यपाल अभिभाषण में सुधार करवा रहा है या पढ़ने से इनकार कर रहा है या अधूरा पढ़ रहा है। विधानसभा से पास विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखना भी एक सामान्य परिघटना हो गई है और कानून व्यवस्था के नाम पर सरकार के कामकाज में अड़ंगेबाजी या उसकी आलोचना भी एकदम सामान्य बात हो गई है। इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है। आगे जब केंद्र की सरकार बदली तब भी यह परंपरा जारी रहेगी और उससे राज्यों में स्थायी टकराव करी संभावना बनी रहेगी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 14 फरवरी 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

राजश्री 50 वीकली लॉटरी मे 49वां 21 लाख का पहला ईनाम खन्ना शहर के नाम

लुधियाना ,(आरएनएस)। गोवा सरकार द्वारा संचालित राजश्री 50 वीकली लॉटरी लोगो का विश्वास जीतते हुए अपने एक हजार से भी ज्यादा दिन पूरे करते हुए 14 लाख से भी ज्यादा के विजेताओं ने अभी तक 35 करोड़ से भी ज्यादा की रकम जीत चुके है किस्मत आंन सेलेब्रेशन आंन के अंतर्गत अपने ईनामो के सिलसिले को बरकरार रखते हुए गत 8 फरवरी 2026 के ड्रॉ मे 21 लाख का 49वां पहला ईनाम टिकट न. 72- 7328 खन्ना के स्टॉकिस्ट रामा लॉटरी के रिटेलर न्यू भाटिया लॉटरी के द्वारा बेची गई टिकट से लगने पर कंपनी के अधिकारी राजकुमार वर्मा व भगत सिंह पंवार ने रामा लॉटरी के मालिक सुशील मग्गू व न्यू भाटिया लॉटरी के मालिक संदीप भाटिया , जतिंद्र भाटिया को फूलों की माला डाल कर, फूलों का गुलदस्ता ट्रॉफी व इंसेंटिव का चेक देकर समानित करते हुए हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी

सुपौल में आमने-सामने बाइक टक्कर, तीन युवकों की मौत, दो की हालत गंभीर

पटना(आरएनएस)। बिहार के सुपौल जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब दो मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं। पुलिस के अनुसार, घटना किशनपुर थाना क्षेत्र के नेमनमा चौक के पास दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं और अचानक जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को सुपौल सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या तीन हो गई। बाकी दो घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर करने की तैयारी की जा रही है।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, सभी युवक 18 से 25 वर्ष की आयु के बीच के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर तीन युवक सवार थे, जो यातायात नियमों का उल्लंघन दर्शाता है। यह भी बताया गया है कि हादसे के समय मृतक हेलमेट नहीं पहने हुए थे। हालांकि, मृतकों और घायलों की आधिकारिक पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।किशनपुर थाना अध्यक्ष ने बताया, प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है।

हरियाणा सीएम बताएं, उनकी सरकार बढ़ोतरी करने की बजाय पेंशन काट क्यों रही हैः दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़(आरएनएस)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि नायब सिंह सैनी को राज्य का मुख्यमंत्री बने दो साल पूरे होने वाले हैं, लेकिन इन दो सालों में अब तक नायब सरकार ने बुजुर्गों को एक रुपए भी बढ़ाकर बुढ़ापा पेंशन नहीं दी है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने की बजाय नायब सरकार ने हजारों बुजुर्गों की पेंशन जरूर काटी है। दुष्यंत चौटाला ने सीएम से सवाल करते हुए पूछा कि बीजेपी सरकार बुढ़ापा पेंशन की बढ़ोतरी की घोषणा करने के बाद उसे लागू करने में आनाकानी क्यों कर रही है? चार महीने पहले बुढ़ापा पेंशन में बढ़ोतरी की वाहवाही लेकर सरकार बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों का हक क्यों दबाए हुए है। यही नहीं, हजारों बुजुर्गों को इस योजना से बाहर क्यों किया जा रहा है? पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि नायब सैनी मार्च 2024 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे और 17 अक्टूबर 2025 को नायब सरकार की पहली वर्षगांठ पर दिवाली गिफ्ट के नाम पर खुद मुख्यमंत्री ने बुढ़ापा पेंशन 200 रुपए बढ़ाने की घोषणा की थी और कहा था कि एक नवंबर 2025 से 3200 रुपए बुढ़ापा पेंशन का फैसला लागू हो जाएगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ये घोषणा केवल झूठी वाहवाही वाली घोषणा बनकर ही रह गई है, क्योंकि दिवाली के बाद अब होली का त्यौहार भी आने वाले है, लेकिन अभी तक एक रुपए भी बढ़कर बुढ़ापा पेंशन बुजुर्गों को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इस बार भी बुजुर्गों को पूर्व गठबंधन सरकार द्वारा बढ़ाई गई तीन हजार रूपए प्रतिमाह के हिसाब से बुढ़ापा पेंशन मिली है। उन्होंने कहा कि आज भी भाजपा सरकार उतनी ही पेंशन दे रही है जितनी गठबंधन सरकार के तहत हमने बढ़वाई थी।पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार जननायक चौधरी देवीलाल द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में लागू की गई बुढ़ापा पेंशन योजना का मजाक बना रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा कभी परिवार पहचान पत्र में आय ज्यादा दिखाकर पेंशन काटी जा रही है तो कभी झूठी घोषणाएं करके बुजुर्गों के साथ बड़ा धोखा किया जा रहा है।

विश्व रेडियो दिवसः प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो को बताया लोगों को जोड़ने वाली विश्वसनीय आवाज

नई दिल्ली,(ए.)। विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश वासियों को बधाई दी और रेडियो की अद्वितीय भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे विश्वसनीय आवाज करार देते हुए कहा कि रेडियो दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से लेकर हलचल भरे शहरों तक लोगों को जोड़ता है और समाज में संवाद का एक सशक्त माध्यम है।प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट करते हुए कहा, यह दिन ऐसे माध्यम का उत्सव है जो समयानुसार सूचनाएं देता आया है, प्रतिभाओं को निखारता रहा और रचनात्मकता को बढ़ावा देता रहा। यह दिन इस माध्यम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों को मान्यता देने का दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' का जिक्र करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम नागरिकों के साथ सीधे संवाद का अनूठा मंच बन गया है।

उन्होंने कहा, मन की बात के माध्यम से मैंने रेडियो की उस क्षमता का अनुभव किया है जिससे यह हमारे लोगों की सामाजिक शक्ति को उजागर कर सकता है। इस महीने का कार्यक्रम 22 फरवरी को प्रसारित होगा और इसके लिए श्रोताओं से सुझाव मांगे गए हैं। पीएम मोदी की टिप्पणियां इस बात को रेखांकित करती हैं कि तेजी से तकनीकी और डिजिटल बदलाव के बावजूद रेडियो ने खुद को समय के अनुकूल ढाला है और श्रोताओं को इंटरैक्टिव तरीके से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। भारत में ऑल इंडिया रेडियो देश के सबसे बड़े सार्वजनिक सेवा प्रसारकों में से एक है। इसकी घरेलू सेवा में 400 से अधिक स्टेशन शामिल हैं, जो देश के लगभग 92 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और 99.19 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंचते हैं। रेडियो 23 भाषाओं और 146 बोलियों में कार्यक्रम प्रसारित करता है, जो भारत की समृद्ध भाषाई विविधता को दर्शाता है। रेडियो आज भी कम लागत और प्रभावी संचार उपकरण के रूप में काम करता है, विशेष रूप से दूरदराज के समुदायों और समाज के कमजोर वर्गों—जैसे निरक्षर, विकलांग, महिलाएं, युवा और आर्थिक रूप से वंचित समूहों—तक जानकारी और शिक्षा पहुंचाने में सक्षम है।

भारत ने ट्रेड डील से किसानों के हितों की ''पूरी तरह से रक्षा'' की

नई दिल्ली,(ए)। भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील को लेकर देश में सियासत गरमाई हुई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस समझौते पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोर्चा संभाल दिया है। दोनों मंत्रियों ने राहुल गांधी पर झूठ फैलाने और किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि इस समझौते के तहत किसानों के हितों की ''पूरी तरह से रक्षा'' की गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर साझा किए वीडियो संदेशों में राहुल गांधी को ऐसा ''आदतन झूठा'' व्यक्ति बताया है जो नहीं चाहते कि किसान सशक्त हों। मंत्रियों ने ये टिप्पणियां राहुल गांधी द्वारा एक्स पर साझा किए गए उस वीडियो संदेश के बाद कीं जिसमें उन्होंने पीएम मोदी पर ''किसान-विरोधी'' होने और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के जरिये देश को ''बेचने'' का आरोप लगाया है। पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जारी वीडियो में उन्होंने झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वह अपने फर्जी विमर्श के जरिये हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं और हमारे अन्नदाता को उकसाने की कोशिश कर रहे हैं।

सत्ता के लिए बिन पानी की मछली की तरह तड़प रही कांग्रेस : अनुराग ठाकुर

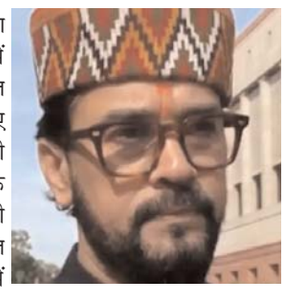

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि सत्ता के लिए कांग्रेस पार्टी बिन पानी मछली की तरह तड़प रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 60 साल तक देश की सत्ता में रही, आज उसकी स्थिति खराब हो चुकी है। नई दिल्ली में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि देखिए, दो-तीन उदाहरण हैं। जब सदन चला तो राहुल गांधी और बाकी कांग्रेस नेताओं ने हंगामा किया और कोई आधार नहीं था। इनकी स्थिति ऐसी थी कि आसमान से गिरे, खजूर पर अटके। भाजपा सांसद ने कहा कि नेता विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा नहीं करने दी और जब बजट शुरू हुआ, तो बजट पर कुछ नहीं बोले, बाकी सब कुछ बोले। जिस व्यक्ति को ट्रेड एंड कॉमर्स और फाइनेंस में अंतर नहीं पता, वो बाकी क्या करेगा? जिसको यह नहीं पता कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर क्या बोले और बाकी पर क्या बोले, तो आप सोचिए कि कांग्रेस पार्टी की हालत क्या है। टेबल पर कूदकर हंगामा करते हैं, बेवजह के आरोप लगाते हैं, उनकी बातों में तथ्य होते नहीं हैं। स्पीकर का घेराव करते हैं। यह कैसी हालत है? कांग्रेस पार्टी यह करती है। 60 साल तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी, जो आज सत्ता से बाहर है, उसकी स्थिति यह है कि सत्ता के लिए ऐसे तड़प रही है जैसे पानी बिन मछली तड़पती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता की.

आप विधायक नरिंदर कौर भराज का बड़ा खुलासा- 'ऑपरेशन लोटस' के तहत भाजपा ने दिया बड़ा ऑफर

चंडीगढ़ (आरएनएस)। संगरूर से आम आदमी पार्टी की विधायक नरिंदर कौर भराज ने एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक धमारे करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। भराज ने खुलासा किया कि भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' के तहत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनसे संपर्क साधा और बंद कमरे में मीटिंग करने सहित भाजपा की टिकट दिलाने और मनमानी शर्तें पूरी करने का बड़ा ऑफर दिया।

गुरुवार को पार्टी ऑफिस में स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरिंदर कौर भराज ने कहा कि भाजपा देश भर में चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए 'ऑपरेशन लोटस' चला रही है। हाल ही में हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने मुझे संगरूर से भाजपा की टिकट देने का लालच दिया और कहा कि मेरी जो भी मांग है, वह पूरी की जाएगी।भराज ने आगे कहा कि वह 2014 में सिर्फ 19 साल की उम्र में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा कि मैं वो कार्यकर्ता हूं जिसने पार्टी के लिए पोस्टर लगाए हैं। एक छोटे किसान की बेटी को 27 साल की उम्र में विधायक बनाने का सम्मान सिर्फ़ आम आदमी पार्टी ही दे सकती है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री पर सीधा हमला करते हुए भराज ने कहा कि सैनी साहब आजकल जिस तरह पंजाब की गलियों में घूम रहे हैं, उससे लगता है कि भाजपा ने उन्हें डेपुटेशन पर पंजाब भेजा है। मेरी उन्हें सलाह है कि मेरी चिंता करना छोड़ दें और अपने हरियाणा की चिंता करें। पंजाब की जनता और आप विधायक चट्टान की तरह मान साहब और केजरीवाल जी के साथ खड़े हैं।विधायक ने साफ़ किया कि आम आदमी पार्टी का हर वर्कर, विधायक और मंत्री एकजुट है। हम सिस्टम बदलने, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएँ देने के लिए राजनीति में आए हैं, ना कि सौदेबाजी करने के लिए। हम 2027 के चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं और भाजपा की ऐसी गंदी चालें हमें गिरा नहीं सकतीं।आप पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा एक बार फिर 'ऑपरेशन लोटस' के ज़रिए पंजाब में लोकतंत्र को कमज़ोर करने की नाकाम कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब भाजपा ने हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की है, लेकिन वे भूल जाते हैं कि पंजाबी अपनी शान के लिए जाने जाते हैं,

रायज़ादा हंसराज स्टेडियम को सोलर पावर प्लांट के लिए मिली 13.48 लाख की ग्रांट

जालंधर (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर स.हरभजन सिंह ने जालंधर स्थित ऐतिहासिक रायज़ादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए अपने एमपी फंड से 13.48 लाख की ग्रांट मंजूर की है।

सोलर पावर परियोजना का प्रस्ताव जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा लोक निर्माण विभाग के अनुमान के साथ भेजा गया था। पंजाब में खेलों के विकास के लिए लगातार सहयोग देने वाले सांसद स.हरभजन सिंह ने इस परियोजना को तुरंत मंजूरी दे दी। यह पहली बार नहीं है जब सांसद ने एसोसिएशन की आर्थिक मदद की हो। वर्ष 2023 में उन्होंने इसी स्टेडियम में जिम उपकरण लगाने के लिए 16.50 लाख की ग्रांट दी थी।मीडिया से बातचीत करते हुए पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव रितिन खन्ना ने कहा कि स.हरभजन सिंह से मुलाकात हमेशा प्रेरणादायक होती है। 2023 में उन्होंने स्टेडियम के जिम के लिए सहयोग दिया था। तब भी उन्होंने कहा था कि जब भी जरूरत हो, संपर्क करना। उन्होंने बताया कि स.हरभजन सिंह का इस स्टेडियम से खास लगाव है, क्योंकि उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में यहां बैडमिंटन खेला और प्रशिक्षण लिया था। सांसद ने यह भी आश्वासन दिया है कि अगली बार शहर आने पर वे स्टेडियम का दौरा करेंगे।खन्ना ने ग्रांट मंजूर कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल और स. अमरजीत सिंह का आभार जताया।खन्ना ने कहा, 卐सोलर पावर प्लांट लगने से बिजली का खर्च कम होगा। बची हुई राशि खिलाड़ियों के विकास और प्रशिक्षण पर खर्च की जाएगी, जिससे उभरते खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।卐

सीएम योगी ने फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर पार्क की तैयारी की समीक्षा की, 4000 करोड़ की परियोजना से 3000 रोजगार के अवसर

गौतमबुद्धनगर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित फॉक्सकॉन के सेमीकंडक्टर पार्क परियोजना की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। यह महत्वाकांक्षी परियोजना सेक्टर-28, ई-01 में लगभग 48 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 4000 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह उत्तर प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर पार्क होगा, जिससे प्रदेश औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्र में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना का विकास आधुनिक तकनीक, वैश्विक गुणवत्ता मानकों और समयबद्ध योजना के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग भविष्य की अर्थव्यवस्था का आधार है और इस क्षेत्र में निवेश से प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस परियोजना से राज्य में निवेश के नए द्वार खुलेंगे और गौतमबुद्धनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी। परियोजना के तहत लगभग 3000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए ताकि वे इस अत्याधुनिक उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में सभी पर्यावरणीय और तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन हो।

बैठक में तीनों विकास प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भूमि विकास, आधारभूत संरचना, विद्युत आपूर्ति, जल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं से संबंधित तैयारियों की जानकारी दी।

नितिन कोहली ने सीएम मान के अनोखे स्वागत के साथ 'जालंधर पढ़ाओ' को दिया बढ़ावा, 'बुके कल्चर' से 'बुक कल्चर' की ओर बढ़ने की अपील

जालंधर, (आरएनएस)। सीएम मान के जालंधर सेंट्रल दौरे के दौरान आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और जालंधर सेंट्रल हल्का इंचार्ज नितिन कोहली ने एक नई और सकारात्मक पहल की शुरुआत की। उन्होंने जालंधर पढ़ाओ मुहिम शुरू करते हुए मुख्यमंत्री के स्वागत में पारंपरिक फूलों का बुके देने की बजाय कॉपी, पेंसिल, इरेज़र, शार्पनर और पूरा स्टेशनरी सेट भेंट किया।नितिन कोहली ने कहा कि शिक्षा समाज को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है और बदलाव की शुरुआत छोटी लेकिन अर्थपूर्ण सोच से होती है। उन्होंने बुके कल्चर की जगह कॉपी-पेंसिल कल्चर को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में ऐसी परंपराएं शुरू होनी चाहिए जिनसे समाज को सीधा और स्थायी लाभ मिले। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब वे आगे से जालंधर सेंट्रल सहित किसी भी उद्घाटन, सम्मान समारोह या सार्वजनिक कार्यक्रम में फूलों के बुके की जगह बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री ही भेंट करेंगे। उनका मानना है कि हर कार्यक्रम को शिक्षा से जोड़कर समाज के लिए उपयोगी बनाया जा सकता है।नितिन कोहली ने स्पष्ट किया कि यह पहल केवल एक प्रतीक नहीं है, बल्कि एक निरंतर अभियान है। जालंधर पढ़ाओ मुहिम के तहत एकत्र की गई स्टेशनरी जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि संसाधनों की कमी उनकी पढ़ाई में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनआकांक्षाओं को समर्पित बजट से जयपुर के विकास को मिलेगी नई दिशा

जयपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट राजधानी जयपुर के लिए विकास की नई इबारत लिखने जा रहा है। जनआकांक्षाओं को समर्पित इस बजट में विरासत संरक्षण से लेकर आधुनिक आधारभूत संरचना, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास तक समग्र प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता और स्पष्ट विजन के परिणामस्वरूप जयपुर अब सुनियोजित, संतुलित और सर्वांगीण विकास की दिशा में नई ऊंचाइयोंकी ओर अग्रसर होगा। वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि जनभावनाओं, जनअपेक्षाओं और जनआकांक्षाओं को साकार करने का रोडमैप है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रस्तुत इस जनकल्याणकारी बजट में राजधानी जयपुर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली अनेक ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं। प्रदेश में आवागमन को सुगम बनाने हेतु लगभग 1800 करोड़ रुपये की लागत से राज्य राजमार्ग, आरओबी, आरयूबी, फ्लाइओवर, एलिवेटेड रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। जयपुर जिले में विद्याधरनगर में 20 करोड़ रुपये से विभिन्न सड़क विकास कार्य, वैशाली नगर में 5 करोड़ रुपये से मुख्य मार्गों का सौंदर्यकरण, आमेर, चौमूं, दूदू, जमवारामगढ़, झोटवाड़ा, सांगानेर, चाकसू एवं बगरू सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया गया है। दूदू से लालसोट वाया फागी-चाकसू-तूंगा 675 करोड़ रुपये की लागत से 135 किलोमीटर लंबा राज्य राजमार्ग विकसित किया जाएगा तथा जयपुर जिले में 9 आरओबी एवं आरयूबी बनाए जाएंगे।

जयपुर शहर के यातायात प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। 560 करोड़ रुपये की लागत से अरण्य भवन से जगतपुरा आरओबी तक 4.40 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा। पुरानी चुंगी, अजमेर रोड पर अंडरपास निर्माण, 30 करोड़ रुपये से यातायात सुरक्षा कार्य, बेनाड़ रोड, कालवाड़ रोड, खातीपुरा रोड एवं मानसरोवर में सेक्टर सड़क विकास तथा व्यापक ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मधुर भंडारकर की द वाइव्स में महक बनेंगी मौनी रॉय, अभिनेत्री ने पूरी की शूटिंग

अभिनेत्री मौनी रॉय निर्देशक मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म द वाइव्स में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो गई है। मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म में मौनी रॉय महक नाम का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का एक अहम हिस्सा था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। इसमें मौनी के साथ-साथ फिल्म के बाकी कलाकार और मधुर भंडारकर भी नजर आ रहे हैं।

मौनी ने लिखा, शानदार फिल्म द वाइव्स की मैंने शूटिंग पूरी कर ली है। यह मेरी जिंदगी की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनने वाली है। मधुर भंडारकर सर का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह किरदार दिया। आपके साथ काम करना मेरी बकेट लिस्ट का अहम हिस्सा था।इसी के साथ ही मौनी ने अपने सह-कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, मेरे शानदार को-स्टार्स का भी शुक्रिया, जो बहुत दयालु, प्यारे और सहयोगी रहे। फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर आगामी फिल्म द वाइव्स के जरिए सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में बॉलीवुड की महिलाओं के ग्लैमर के पीछे छिपी जिंदगी से जुड़ी कहानी को दिखाया जाएगा। इसमें मौनी के अलावा, सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इसके अलावा, फिल्म में अन्य कलाकार भी नजर आएंगे, लेकिन अभी उनके बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने रिलीज की तारीख अनाउंस नहीं की है।इसके अलावा, मौनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज अब होगा हिसाब में नजर आएंगी। इस सीरीज में मौनी रॉय, शाहीर शेख और निमृत कौर अहलूवालिया भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने सीरीज के रिलीज डेट की घोषणा अभी तक नहीं की।

पति पत्नी और वो दो की रिलीज तारीख आई, तीन-तीन हीरोइनों संग इश्क फरमाएंगे आयुष्मान खुराना

साल 2019 में एक फिल्म आई थी पति पत्नी और वो, जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी। इसके गाने भी हिट थे। फिल्म में पति कार्तिक आर्यन बने थे, उनकी पत्नी भूमि पेडनेकर बनी थीं और वो का किरदार अनन्या पांडे ने निभाया था। अब इसी फिल्म का सीक्वल आ रहा है, जिसका नाम है पति पत्नी और वो दो। इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं और अब इसकी रिलीज तारीख सामने आ गई है।

जाने-माने फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर साझा कर इसकी रिलीज तारीख का ऐलान किया है। इसी के साथ ये भी पता चला है कि इस बार फिल्म में दो नहीं, बल्कि तीन-तीन अभिनेत्रियां होंगी। एक हैं सारा अली खान, दूसरी हैं रकुल प्रीत सिंह और तीसरी हैं वामिका गब्बी। इन तीनों हीरोइनों के साथ आयुष्मान रोमांस करते दिखेंगे, जबकि पति पत्नी और वो में कार्तिक के साथ दो अभिनेत्रियां थीं।फिल्म अगले साल 4 मार्च, 2026 में यानी होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस पोस्ट ने जहां आयुष्मान के प्रशंसकों का उत्साह दोगुना कर दिया है, वहीं कार्तिक के प्रशंसकों को फिल्म में उनकी कमी खल रही है। एक यूजर ने लिखा, इस बार तो धमाका हो जाएगा। कुछ ने फिल्म पहले ही हिट बता दी है। उधर एक ने लिखा, बेकार कर दी फिल्म, कार्तिक होना चाहिए था। बता दें कि ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक ट्वीट करके यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक फिल्म पति पत्नी और वो दो अब 15 मई 2026 को रिलीज होगी।पति पत्नी और वो में आयुष्मान, प्रजापति पांडे का किरदार निभाने वाले हैं। ये पहला मौका होगा, जब आयुष्मान, सारा, रकुल और वामिका साथ पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म के नाम से ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये किस तरह की फिल्म होने वाली है। ये एक रोमांटिक, कॉमेडी और ड्रामा पर आधारित फिल्म होगी। टी-सीरीज के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण हो रहा है, वहीं मुदस्सर अजीज ने एक बार फिर निर्देशन की कमान संभाली है।मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म पति पत्नी और वो में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आए थे। इनके अलावा फिल्म में कृति सैनन का कैमियो था और राजपाल यादव, अपारशक्ति खुराना, सनी सिंह और दीया मिर्जा जैसे कलाकारों ने भी काम किया था। कमाई की बात करें तो इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपये था, जबकि इसने दुनियाभर में 109 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रही ओ रोमियो, रिलीज से पहले हुई धुंआधार कमाई

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो की रिलीज में सिर्फ 1 दिन बाकी रह गया है। 13 फरवरी को रिलीज हो रही फिल्म में, शाहिद कपूर मुख्य किरदार में नजर आएंगे जिनका कबीर सिंह वाला अंदाज दोबारा देखने के लिए फैंस उतावले हैं। 10 फरवरी से फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी, जिसके जरिए निर्माताओं की झोली भरनी शुरू हो चुकी है। आइए जानते हैं ओ रोमियो कैसा प्रदर्शन कर रही है?

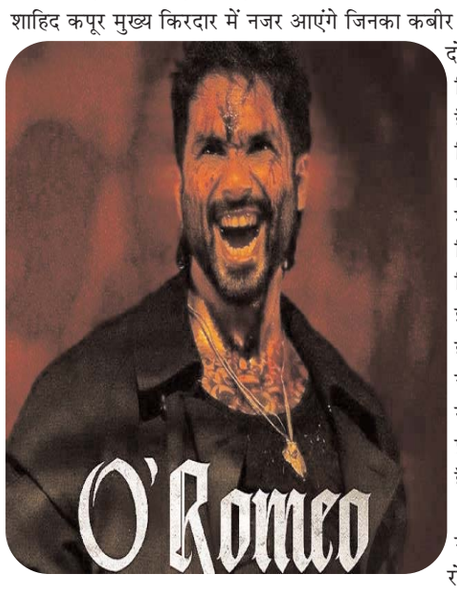

सैकनिल्क के मुताबिक, ओ रोमियो ने एडवांस बुकिंग में 51,150 टिकटों की बिक्री कर ली है। फिल्म को फिलहाल 8,795 शो मिले हैं जिसके बाद कुल ग्रॉस कलेक्शन 1.21 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म ने रिलीज से पहले कुल 3.29 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का आंकड़ा 2 करोड़ के करीब जा सकता है। यह पहले दिन 10 से 15 करोड़ रुपये के बीच ओपनिंग ले सकती है।ओ रोमियो में शाहिद को गैंगस्टर उस्तरा नाम के किरदार में देखा जाएगा, जिसका गुस्सैल स्वभाव और टैटू भरा लुक फैंस का ध्यान खींच रहा है। तृप्ति डिमरी, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी समेत कई सितारे भी फिल्म का हिस्सा हैं। शाहिद और विशाल की यह साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून में काम कर चुके हैं। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाती है।

धुरंधर से सफलता के शिखर पर पहुंचे रणवीर सिंह, अब सबसे महंगी फिल्म प्रलय से मचाएंगे तहलका

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर 2 में व्यस्त चल रहे हैं। दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर की जबरदस्त सफलता के बाद सीक्वल को लेकर लोगों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। 19 मार्च को रिलीज हो रही इस फिल्म के लिए लोगों का क्रेज सोशल मीडिया पर देखने लायक है। इस बीच, रणवीर की एक और फिल्म अपने बजट को लेकर लोगों का ध्यान खींच रही है जिसका नाम प्रलय है।

के मुताबिक, रणवीर अपनी अगली फिल्म प्रलय के लिए तैयार हो रहे हैं, जो एक हाई कॉन्सेप्ट जॉम्बी ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। यह रणवीर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी, जिसका बजट कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। पिंकविला से बातचीत में सूत्र ने बताया, रणवीर ने एक बैकएंड प्रॉफिट शेयरिंग डील की है और स्क्रिप्ट डेवलपमेंट से लेकर वीएफएक्स योजना तक हर चरण में शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रलय की शूटिंग 2026 के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। धुरंधर की अपार सफलता के बाद फिल्म का बजट दर्शाता है कि निवेशक अभिनेता के नाम पर बड़ा निवेश करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि इससे निश्चित रूप से मुनाफा होगा। अटकलें यह भी हैं कि इस फिल्म में रणवीर के साथ लोका चैप्टर 1= चंद्र में काम कर चुकीं कल्याणी प्रियदर्शन नजर आ सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा होंगी फिल्म बॉन्ड 26 का हिस्सा? अभिनेत्री के बयान से मिला संकेत

देसी गर्ल के नाम से मशहूर प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की अगली बॉन्ड गर्ल हो सकती हैं। सोशल मीडिया पर लग रहीं इन अटकलों ने फैंस के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है और लोग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इन कयासों का दौर तब शुरू हुआ, जब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने फिल्म बॉन्ड 26 पर बात की। उनकी गोलमोल बातों से चर्चा शुरू हो गई है कि वह अपने नए हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए कमर कस रही हैं।

प्रियंका ने जेम्स बॉन्ड की अगली फिल्म में अपने किरदार को लेकर संकेत दिया। जब उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अब यह सचमुच वैश्विक स्तर पर हो सकता है, हां, मालिक बदल रहे हैं। उन्होंने बातों ही बातों में आगामी बॉन्ड 26 फिल्म में अपनी भूमिका की उम्मीद जताई है। उधर प्रियंका के बयान ने फैंस को खुश होने और उन्हें अटकलें लगाने का मौका दे दिया।

एक यूजर ने लिखा, प्रियंका डेनिस विलेन्यूव के निर्देशन में फिल्म करेंगी। दूसरे यूजर ने लिखा, प्रियंका को अगली बॉन्ड गर्ल के रूप में देखा जा रहा है हे भगवान! वहीं कुछ लोग अभिनेत्री को एडवांस दे रहे हैं, लेकिन पुष्टि तो निर्माताओं के आधिकारिक बयान के बाद ही हो सकेगी। बता दें, बॉन्ड 26 साल 2028 में सिनेमाघरों का रुख कर सकती है। इसे नो टाइम टू डाई (2021) के रीबूट के तौर पर देखा जा रहा है।

रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज को इन 5 तरीकों से बनाएं प्रभावी, मिलेगा भरपूर फायदा

रिवर्स फ्लाई एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पीठ, कंधों और बाहों को मजबूत बनाती है। यह न केवल आपके शरीर की स्थिति को सुधारती है, बल्कि आपको बेहतर संतुलन और स्थिरता भी देती है। इसके अलावा यह कसरत आपकी मांसपेशियों को टोन कर सकती है और आपके समग्र शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है। आइए जानते हैं कि रिवर्स फ्लाई को किन-किन तरीकों से किया जा सकता है, ताकि इससे भरपूर फायदा मिल सके।

सही वजन का डंबल चुनें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही वजन के डंबल का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत भारी डंबल का उपयोग करेंगे तो इससे आपकी मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ेगा, जिससे चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, हल्के डंबल से आपको उतना फायदा नहीं मिलेगा। हमेशा ऐसे डंबल चुनें, जिन्हें उठाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़े। हालांकि, आपके लिए उन्हें संभालना भी आसान होना चाहिए।

सही तरीके से एक्सरसाइज करें

रिवर्स फ्लाई करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने पैरों को कंधों की चौड़ाई पर रखें और हल्के झुकाव वाली मुद्रा में आ जाएं। अब दोनों हाथों में डंबल लेकर उन्हें धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं, जब तक कि आपके हाथ कंधों के समानांतर न हो जाएं। इस दौरान पीठ को सीधा रखें और सांस को नियंत्रित करें। इसे सही तरीके से करने पर आप अधिकतम लाभ पा सकते हैं।

धीरे-धीरे जटिलता बढ़ाएं

अगर आप रिवर्स फ्लाई एक्सरसाइज में नए हैं तो शुरुआत में इसे कम करें और धीरे-धीरे जटिलता को बढ़ाएं। इससे आपकी मांसपेशियां तैयार रहेंगी और चोट लगने का खतरा कम होगा। पहले हफ्ते में इसे 10-15 बार दोहराएं और फिर हर हफ्ते 2-3 बार बढ़ाएं। इस तरह आप अपनी क्षमता के अनुसार अपनी ताकत बढ़ा सकते हैं और कसरत का पूरा लाभ उठा सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी और आप बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

नियमितता बनाए रखें

कोई भी एक्सरसाइज तभी असरदार होती है, जब उसे नियमित रूप से किया जाए। रिवर्स फ्लाई को हफ्ते में कम से कम 3 बार करना चाहिए। इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपकी समग्र शारीरिक स्थिति भी बेहतर होगी।

नियमितता बनाए रखने से आपको लंबे समय तक इसके लाभ मिलेंगे और आपकी सेहत में सुधार आएगा। इसके अलावा नियमित अभ्यास से आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगे।

राजमा से दुनियाभर में बनाए जाते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन, एक बार जरूर चखें इनका स्वाद

राजमा एक पौष्टिक और स्वादिष्ट फली है, जो भारतीय खान-पान में बहुत ही लोकप्रिय है। यह कई व्यंजनों की मुख्य सामग्री रहता है और उनके पोषण मूल्य को बढ़ा देता है। राजमा का उपयोग केवल भारतीय रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इससे कई अनोखे और स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जाते हैं। आइए आज हम आपको राजमा से बनाए जाने वाले 5 अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो आपको जरूर पसंद आएंगे।

राजमा (भारत)

राजमा पंजाब का एक प्रसिद्ध व्यंजन है, जो अपने खास मसालों और स्वाद के लिए जाना जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन के पेस्ट और गरम मसाला के साथ पकाया जाता है। इसे नान या चावल के साथ परोसा जाता है। इस सब्जी का स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि एक बार खाने के बाद आप इसका स्वाद कभी भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ नींबू कस रस और प्याज परोसना न भूलें।

राजमा तामाल (मेक्सिको)

राजमा तामाल मेक्सिको का एक पारंपरिक व्यंजन है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को प्याज, लहसुन, हरी मिर्च और अन्य मसालों के साथ पकाया जाता है। इसके बाद इस मिश्रण को मक्के के आटे में भरकर भाप में पकाया जाता है। यह व्यंजन बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है, जिसे सभी उम्र के लोग पसंद करते हैं। इसे आप घर पर भी आसानी से बना सकते हैं।

राजमा का सूप (जापान)

राजमा का सूप जापान में पसंद किया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को सोया सॉस, मिर्च के पाउडर और अन्य जापानी मसालों के साथ पकाया जाता है। इस सूप में सब्जियां भी डाली जा सकती हैं, जैसे गाजर, मटर और शिमला मिर्च आदि। यह सूप ठंड के मौसम में पीने के लिए बहुत ही अच्छा रहता है। इसका स्वाद इतना बेहतरीन होता है कि इसे पीने के बाद आप तरोताजा महसूस करेंगे।

राजमा की टिक्की (भारत)

राजमा की टिक्की भारत का एक लोकप्रिय नाश्ता है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसमें उबले हुए राजमा को दही, बेसन और मसालों के साथ मिलाकर टिक्कियां तैयार की जाती हैं। इसके बाद इस टिक्कियों को तवे या एयर फ्रायर पर सेंका जाता है। यह नाश्ता बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है, जिसे जिम जाने वाले लोग भी बिना चिंता के खा सकते हैं। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

राजमा बर्गर (ऑस्ट्रेलिया)

राजमा बर्गर ऑस्ट्रेलिया का एक अनोखा व्यंजन है, जो बच्चों का पसंदीदा होता है। इसमें उबले हुए राजमा को ब्रेड के टुकड़े, प्याज, लहसुन और अन्य मसालों के साथ मिलाकर पैटी तैयार की जाती है। इस पैटी को तवे पर सेंका जाता है और ब्रेड या बंद पर रखकर खाया जाता है। यह बर्गर सेहतमंद होने के साथ-साथ बहुत ही स्वादिष्ट भी होता है। इसमें चीज और सब्जियां भी लगाई जाती हैं, जो इसके स्वाद को बढ़ा देती हैं।

बांग्लादेश में तारिक रहमान का पीएम बनना तय, 20 साल बाद बीएनपी पार्टी की हुई जीत; हासिल किया बहुमत

ढाका (आरएनएस) । बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने बड़ी जीत दर्ज की है। BNP ने 299 सीटों में से 209 हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 286 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं।

जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 70 सीटें मिली हैं। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत दर्ज की है। देश में करीब 20 साल बाद BNP की सरकार बनी है। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी।

इस जीत के साथ पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और BNP अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। वे पिछले साल दिसंबर में 17 साल बाद देश लौटे थे।

बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं।

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- डील नहीं हुई तो हालात 'बहुत दर्दनाक' हो सकते हैं

वाशिंगटन (आरएनएस)अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि वह जल्द से जल्द परमाणु समझौता करे, वरना उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने कहा कि यदि समझौता नहीं हुआ तो हालात बहुत दर्दनाक हो सकते हैं।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, हमें समझौता करना ही होगा, नहीं तो स्थिति बहुत कठिन और दर्दनाक हो जाएगी। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन समझौता जरूरी है।

समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि यह प्रक्रिया ज्यादा लंबी नहीं चलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले एक महीने के भीतर कोई निर्णय हो जाना चाहिए और ईरान को जल्दी सहमत होना चाहिए।

ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि अगर बातचीत विफल रही तो हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर समझौता नहीं हुआ तो कहानी अलग होगी। उनका कहना था कि यदि समझौता न्यायपूर्ण और अच्छा नहीं होगा, तो ईरान के लिए समय बहुत कठिन हो सकता है।यह बयान उस बैठक के एक दिन बाद आया, जो ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ की थी। ट्रंप ने कहा, हमारी बैठक अच्छी रही और नेतन्याहू स्थिति को समझते हैं, लेकिन अंतिम फैसला मेरे हाथ में है।जब उनसे पूछा गया कि क्या नेतन्याहू चाहते हैं कि वह बातचीत रोक दें, तो ट्रंप ने कहा कि वह बातचीत तब तक जारी रखेंगे, जब तक उन्हें सही लगे।

चीन में सड़क धंसी, 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बना, पाइपलाइन फटने से हादसा

शंघाई,(ए)। चीन के प्रमुख महानगर शंघाई में एक व्यस्त सड़क अचानक धंस जाने से हड़कंप मच गया। घटना मिनहांग डिस्ट्रिक्ट स्थित किक्सिन रोड के पास हुई, जहां सड़क की सतह कुछ ही सेकंड में धंसकर 10 से 20 मीटर चौड़े गड्ढे में तब्दील हो गई। पूरा हादसा पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया।स्थानीय प्रशासन के अनुसार, घटना से पहले इलाके में पानी के रिसाव की शिकायत मिली थी। 11 फरवरी को निर्माण एजेंसियों ने सड़क के नीचे पानी के रिसाव की पहचान की थी और निगरानी की जा रही थी। आशंका जताई जा रही है कि मुख्य पाइपलाइन फटने के कारण जमीन के नीचे मिट्टी कमजोर हो गई, जिससे सड़क अचानक धंस गई। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आसपास की इमारतों में दरारें पड़ने की खबर है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सड़क को तुरंत बंद कर यातायात डायवर्ट कर दिया।

भागते चीनी जहाज को जापान ने दबोचा, भारी एक्शन हो गया!

टोक्यो (ए.)। जापान और चीन के बीच तनाव बढ़ता चला जा रहा है। अब जापान भी चीन के खिलाफ एक्शन लेने के मूड में है। तभी तो साल 2022 के बाद अब जापान ने कुछ ऐसा किया है जिससे चीन को मिर्ची लगनी तय है। जापानी अधिकारियों ने दक्षिण पश्चिम जापान के नागासाकी के पास अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी कि एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में एक चीनी मछली पकड़ने वाले नाव को जब्त कर लिया। उसके कप्तान को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि नाव ने जापानी निरीक्षण टीम के आदेशों की अनदेखी कर भागने की कोशिश की। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है जब एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान और चीन के बीच पहले से ही एक बड़ा कूटनीतिक विवाद चल रहा है। जापान की फिशरी एजेंसी ने इस बयान को जारी करते हुए बताया कि 12 फरवरी की दोपहर के आसपास नागासाकी प्रीफेक्चर के गोतो द्वीप समूह के पास मेशिमा द्वीप से लगभग 89.4 नॉटिकल मील यानी कि करीब 165 कि.मी. दक्षिण पश्चिम में स्थित जापान की ईजेड में चीनी नाव क्यू ओंग डोंग यू 111998 को देखा गया। यह एक ट्रोलर प्रकार की मछली पकड़ने वाली नाव थी जिसमें जाले लगे हुए थे। फिश एजेंसी के पेट्रोल जहाज होकआ मारो ने नाव को रोकने और बोट पर निरीक्षण की अनुमति देने का आदेश दिया। लेकिन कप्तान ने आदेश की अवहेलना की और नाव भगाने लगा। इसके बाद जापानी अधिकारियों ने नाव को जब्त कर लिया और उसके 47 वर्षीय चीनी कप्तान को भी गिरफ्तार किया गया।

नाव पर कुल 11 चालक दल के सदस्य थे जिनमें से कप्तान को हिरासत में लिया गया। बाकी सदस्यों की स्थिति स्पष्ट नहीं है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव मीनारू केरा ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में इस घटना की पुष्टि की है और इस पर बयान भी दिया है। सुस सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब से ताइवान के मामले में जापान और चीन की टकराहट बढ़ी है। जापान ने वापस से परमाणु कार्यक्रम की तरफ कदम उठाने पर जोर दिया है। उसके बाद से ही यह तनाव बढ़ता जा रहा है।

तानाशाह किम जोंग उन ने चुना अपना वारिस, जानें कौन होगा उत्तर कोरिया का अगला शासक?

सियोल (ए.)। उत्तर कोरिया से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। दुनिया को अपनी परमाणु ताकत से डराने वाले तानाशाह किम जोंग उन ने आखिरकार अपने उत्तराधिकारी का फैसला कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी (NIS) ने बड़ा दावा किया है कि किम जोंग ने अपनी नाबालिग बेटी किम जू ऐ को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है। इसका सीधा मतलब है कि भविष्य में उत्तर कोरिया की सत्ता की बागडोर उनकी बेटी के हाथों में होगी। गौरतलब है कि किम जोंग उन ने भी अपने पिता किम जोंग-इल के निधन के बाद इसी तरह सत्ता संभाली थी।

बढ़ती सक्रियता और विदेशी दौरों से मिले संकेत

किम जोंग की बेटी किम जू ऐ के बारे में वैसे तो सार्वजनिक तौर पर बहुत कम जानकारी उपलब्ध है, लेकिन हाल के दिनों में उनकी भूमिका में बदलाव देखा गया है। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी ने अपने देश के सांसदों को बताया है कि उन्होंने कई परिस्थितियों और सबूतों का आकलन करने के बाद यह दावा किया है। इनमें सबसे अहम बात आधिकारिक और बड़े कार्यक्रमों में किम जू ऐ की बढ़ती सार्वजनिक उपस्थिति है। हाल ही में उन्हें अपने पिता के साथ बीजिंग यात्रा पर भी देखा गया था, जो उनकी पहली ज्ञात विदेश यात्रा थी। इन सभी गतिविधियों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि उन्हें भविष्य के नेता के रूप में तैयार किया जा रहा है।

फरवरी में होने वाले पार्टी सम्मेलन पर टिकीं नजरें

इस दावे की पुष्टि के लिए अब पूरी दुनिया और खुफिया एजेंसियों की नजरें फरवरी के अंत में होने वाले उत्तर कोरिया के पार्टी सम्मेलन पर टिकी हैं। एनआईएस ने जानकारी दी है कि वह इस बात पर बारीकी से नजर रखेगी कि क्या किम जू ऐ इस सम्मेलन में भाग लेती हैं या नहीं। यह सम्मेलन उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा राजनीतिक आयोजन माना जाता है, जो हर पांच साल में एक बार होता है। उम्मीद है कि इस मंच से अगले पांच वर्षों के लिए देश की विदेश नीति, युद्ध योजना और परमाणु महत्वाकांक्षाओं जैसी प्राथमिकताओं का खाका खींचा जाएगा। ऐसे महत्वपूर्ण मंच पर बेटी की मौजूदगी उत्तराधिकार की खबरों पर मुहर लगा सकती है।

खेल समाचार

ईशान किशन ने रचा इतिहास, टी-20 विश्व कप में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बने

नईदिल्ली, (आरएनएस) भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने टी-20 विश्व कप 2026 के 18वें मैच में नामीबिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 61 रन की आक्रामक पारी खेली। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 8वां अर्धशतक साबित हुआ। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के चलते भारत ने पावरप्ले के बाद 86/1 का स्कोर बनाया। इसके साथ ही वह टी-20 विश्व कप के इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बने। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

भारत से पारी की शुरुआत करने आए किशन अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने पारी का छठा ओवर करने आए जे जे स्मिट की जमकर खबर ली और उस ओवर में लगातार 4 छक्के और एक चौका लगाया। इस बीच उन्होंने 20 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 24 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 6 चौके और 5 छक्के भी लगाए।

2007 में पहली बार टी-20 विश्व कप खेला गया था। दिलचस्प रूप से इस टूर्नामेंट के इतिहास में किशन से पहले किसी भी भारतीय विकेटकीपर ने अर्धशतक नहीं लगाया था। टी-20 विश्व कप 2007 में महेंद्र सिंह धोनी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 रन की पारी खेली थी। 2024 में खेले गए पिछले संस्करण में ऋषभ पंत ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 42 रन बनाए थे।

किशन टी-20 विश्व कप के इतिहास में भारत से चौथे सबसे तेज अर्धशतक (20 गेंद) लगाने वाले बल्लेबाज बने। उनसे तेज अर्धशतक युवराज सिंह, केएल राहुल और रोहित शर्मा ऐसा कर चुके हैं। किशन अब टी-20 विश्व कप में पावरप्ले के दौरान ही अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। बता दें कि रोहित (51* बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2024) और केएल राहुल (50 बनाम स्कॉटलैंड, 2021) ऐसा कर चुके थे।

किशन ने अब तक 38 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसकी 38 ही पारियों में उन्होंने 29.51 की औसत से 1,092 रन बनाए हैं। इस बीच उनकी स्ट्राइक रेट 141.26 की रही है। उनके बल्ले से 1 शतक के अलावा 8 अर्धशतक भी निकले हैं। वह एक पारी में बिना खाता खोले भी आउट हुए हैं। उन्होंने 2021 में अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टी-20 विश्व कप 2026: हार्दिक पांड्या ने नामीबिया के खिलाफ लगाया अर्धशतक

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी-20 विश्व कप 2026 के 18वें मैच में नामीबिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 52 रन की पारी खेली। उनकी और ईशान किशन (61) की पारियों की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 209/9 का स्कोर बनाया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में भारतीय टीम द्वारा बनाया गया तीसरा सर्वोच्च स्कोर दर्ज हो गया। आइए हार्दिक की पारी पर एक नजर डालते हैं। भारत ने जब 120 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब पांड्या क्रीज पर आए। उन्होंने नामीबिया की कम अनुभवी गेंदबाजी के सामने आकर्षक शॉट लगाए। अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय ऑलराउंडर ने सिर्फ 27 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह 28 गेंदों में 52 रन बनाकर आउट हुए। अपनी अर्धशतकीय पारी में उन्होंने 4 चौके और इतने ही छक्के भी लगाए।पांड्या ने टी-20 विश्व कप संस्करण में कुल 26 मैच खेले हैं, जिसकी 18 पारियों में उन्होंने 29.57 की औसत और 145.26 की स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं। उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाए हैं। पांड्या ने टी-20 विश्व कप 2024 में बल्लेबाजी में 8 पारियों में 48.00 की औसत और 151.57 की स्ट्राइक रेट के साथ 144 रन बनाए थे।

T20 वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से रौंदा; 19 साल बाद दोहराया इतिहास

कोलंबो (आरएनएस) F आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में क्रिकेट जगत को एक बड़ा झटका तब लगा जब जिम्बाब्वे की टीम ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के 19वें मुकाबले में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से करारी शिकस्त दे दी। इस टूर्नामेंट के इतिहास में यह लगातार दूसरी बार है जब जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को धूल चटाई है। इससे पहले साल 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबको चौंका दिया था। अब 19 साल बाद इतिहास दोहराते हुए जिम्बाब्वे ने यह साबित कर दिया है कि टी20 प्रारूप में किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता।

कंगारू टीम की खराब शुरुआत, 29 रन पर गिर गए थे 4 विकेट

जिम्बाब्वे द्वारा दिए गए 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। हालात यह थे कि जोश इंग्लिस, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और ट्रेविस हेड जैसे दिग्गज बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं सके और महज 29 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया ने अपने चार अहम विकेट गंवा दिए।

इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल और मैट रेनशॉ ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 59 गेंदों में 77 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसने ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को जिंदा रखा। ऐसा लग रहा था कि यह जोड़ी मैच को जिम्बाब्वे की पकड़ से दूर ले जाएगी, लेकिन तभी रयान बर्ल ने मैक्सवेल को 31 रन के निजी स्कोर पर आउट करके इस खतरनाक होती साझेदारी को तोड़ दिया। मैक्सवेल के आउट होते ही ऑस्ट्रेलिया की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। मार्कस स्टोइनिस और बेन ड्वारशुइस भी कुछ खास नहीं कर पाए और 6-6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अंत में मैट रेनशॉ ने 44 गेंदों में 65 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन 139 रन के स्कोर पर उनके आउट होते ही ऑस्ट्रेलिया की हार लगभग तय हो गई। एडम जाम्पा भी मात्र दो रन बनाकर बोल्ड हो गए।

बेनेट और रजा ने जिम्बाब्वे को पहुंचाया मजबूत स्कोर तक

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, जो उन पर भारी पड़ा। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट खोकर 169 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की तरफ से ब्रायन बेनेट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 56 गेंदों पर नाबाद 64 रनों की संयमित पारी खेली और एक छोर संभाले रखा। उनका साथ विकेटकीपर तादिवानाशे मारुमानी और रयान बर्ल ने दिया, जिन्होंने 35-35 रनों का उपयोगी योगदान दिया। अंत में कप्तान सिकंदर रजा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 13 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में इस मैच में पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी साफ खली। उनकी अनुपस्थिति में गेंदबाजी में वह धार नजर नहीं आई, जिसका फायदा जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने उठाया। यहां तक कि स्पिन के जादूगर कहे जाने वाले एडम जाम्पा भी जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके।

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं : सूर्यकुमार

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक अभी तक अपने पेट के संक्रमण से पूरी तरह से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अभिषेक का 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर अभी भी वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी कहा है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए है और इस कारण हो सकता है कि उन्हें एक दो मैचों से दूर रहना पड़े। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द के चलते दो दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इसी कारण व अस्पाल से छुट्टी मिलने के बाद भी अभ्यास के लिए नहीं उतर पाये क्योंकि उन्हें कमजोरी लग रही है। उनका थोड़ा भी कम हुआ है। पेट के संक्रमण से उबरने के बाद पूरी तरह ठीक होकर शीर्ष स्तर पर खेलने में उन्हें कुछ समय जरुर लगेगा।

सूर्यकुमार ने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं.' कोलंबो में उनका अभ्यास सेशन यह बताएगा कि वह किस हालत में हैं। अगर वह नेट्स में सामान्य तरीके से ज्यादा देर तक बल्लेबाज करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र को देखें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में करीब 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं। पाक के खिलाफ अभिषेक अगर नहीं खेल पाते हैं तो ईशान किशन के साथ एक बार फिर पारी शुरु करने की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलेगी।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था। इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्रॉफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्रॉफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं।रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था।

इसी माह डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे वैभव

नई दिल्ली (ए.)। हाल में अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब इसी माह 23 फरवरी मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। नवी मुंबई में होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इसी में से किसी एक टीम से वैभव उतर सकते हैं। इससे उन्हें इसके बाद खेले जाने वाले आईपीएल के लिए भी अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।

इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल होते हैं। वैभव अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स ने अभ्यास सत्र के लिए तैयारी की है। यहीं पर वैभव आईपीएल सत्र की तैयारी में लगे हैं। ये शिविर 21 फरवरी तक चलेगा जिसके बाद वैभव पटना वापस जाएंगे। वह अपने शहर में एक प्रमोशनल इवेंट में भी शामिल होंगे। यहां उन्हें एक गाड़ी उपहार में दिये जाने की उम्मीद है। इसके बाद डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई पहुंचेंगे। गौरतलब है कि डीवाई पाटिल टूर्नामेंट, देश के सबसे पुराने टी20 टूर्नोमेंटों में से एक है, जो 2003 में शुरू हुआ था। पिछले साल इस टूर्नामेंट में क्रुणाल पंड्या और हार्दिक पंड्या खेलते नजर आए थे। शिवम दुबे, नेहल वढेरा, दीपक चाहर और कई अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल हुए थे।

मंदिरों के शहर नर्मदापुरम में एक मंदिर और हुआ तैयार नवनिर्मित मंदिर में 24 फरवरी को विराजमान होंगे भगवान श्री चित्रगुप्त

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल होंगे विद्वजजन, केबिनेट मंत्री, और जनप्रतिनिधि

बलराम शर्मा,

नर्मदापुरम। मां नर्मदा की पावन नगरी नर्मदापुरम को मंदिरों का शहर कहा जाता है। नर्मदा तट पर मंदिरों श्रृंखला मौजूद है। हर कालोनी का अपना एक मंदिर है। इसी श्रृंखला में अब एक मंदिर भगवान श्री चित्रगुप्त का और तैयार हो गया है। जिसकी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 24 फरवरी से प्रारंभ हो रहा है। दो दिवसीय अनुष्ठान में विद्वजजन, केबिनेट मंत्री, और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम की आवश्यक बैठक गत दिवस नवनिर्मित श्री चित्रगुप्त मंदिर में प्रांतीय सचिव राजीव खरे जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि जिले के सभी नागरिकों एवं कायस्थ साथियों आप हम सभी को जानकार अति प्रसन्नता होगी कि हमारे आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम तय हुआ है। सभी कायस्थ

परिजनों से अनुरोध है आप हम अपने परिवार इष्ट मित्रो सहित इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर शामिल हों क्योंकि ये हमारा कार्यक्रम है। उस दिन हमें अपना पूरा समय प्रदान करना है।

भक्ति भाव से निकलेगी कलश यात्रा

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम कलश यात्रा निकली जावेगी। महिलाओं एवं कन्याओं के द्वारा 24 फरवरी को सुबह 7 बजे से विवेकानंद घाट से पतित पावनी मां नर्मदा के पवित्र जल कलश में भरकर शोभा यात्रा निकलेगी साथ में सुसज्जित रथ में भगवान श्री चित्रगुप्त विराजमान रहेंगे । नगर भ्रमण उपरांत नवनिर्मित मंदिर कोठीबाजार पहुंचेंगे। इसके उपरांत विद्वान पुजारी, महंत द्वारा विधिवत पूजन, हवन, भजन कार्यक्रम किया जाएगा ।दो दिवसीय इस कार्यक्रम में दूसरे दिन 25 फरवरी को सुबह से पूजन, स्थापना, प्रसादी वितरण, भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारा का आयोजन श्रीमति अनुजा श्रीवास्तव के सौजन्य से आयोजित किया जाएगा। इस संपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विद्वान पुजारी, महंत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव नीलू राजधानी भोपाल से प्रांतीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, भोपाल से वरिष्ठ पत्रकार दैनिक क्षितिज किरण के संपादक कृष्णकांत सक्सेना, ब्यूरो चीफ विलक्षण सक्सेना, डीआईजी प्रशांत खरे पूर्व गृह सचिव ओम प्रकाश श्रीवास्तव, अंतराष्ट्रीय कवि मुकेश सक्सेना एवं आस पास के जिले के कायस्थ बंधुओं को शामिल होने को आमंत्रित किया गया है। बैठक में जयवाला निगम, श्रीमती अनुजा श्रीवास्तव सुलेखा श्रीवास्तव ममता श्रीवास्तव संध्या श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव अशोक श्रीवास्तव पवन सक्सेना विजय प्रकाश श्रीवास्तव भानु प्रकाश श्रीवास्तव डा दिनेश श्रीवास्तव देवेंद्र श्रीवास्तव शरदश्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव राहुल राय बलराम श्रीवास्तव, अनुज श्रीवास्तव संतोष श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव आदि कायस्थ बंधु उपस्थिति रहे। अंत में आभार प्रदर्शन जिला सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर में 6वां एक वर्षीय कृषि आदान विक्रेता डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर में कृषि आदान विक्रेताओं के लिए आयोजित छठवें एक वर्षीय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि विशेषज्ञ, अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में न्यास के प्रबंधक धर्मेन्द्र गुर्जर ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि आदान विक्रेताओं की भूमिका किसानों के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसान उन पर विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थियों का दायित्व है कि वे किसान हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें। इसे "एक बार पुन: छात्र जीवन जीने का अवसर" बताते हुए उन्होंने सभी को मनोयोग से प्रशिक्षण ग्रहण करने की प्रेरणा दी। उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण किसानों की सेवा के उद्देश्य से आयोजित है, इसलिए इसे गंभीरता से सीखना और व्यवहार में उतारना आवश्यक है। सहायक संचालक कृषि गोविंद मीणा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की संरचना और उद्देश्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में न्यास के सह सचिव केशव महेश्वरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केंद्र प्रभारी डॉ. संजीव कुमार गर्ग द्वारा किया गया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक जिम्मेदारियों को समझने पर बल दिया।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत माखन नगर में पंजीयन शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री श्रमयोगी अंतर्गत माखननगर में श्रम निरीक्षक सरिता साहू की उपस्थिति में पंजीयन शिविर आयोजित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माखन नगर में आयोजित शिविर में आशा कार्यकर्ताओं का श्रम योगी पेंशन योजना में पंजीयन किया शिविर श्रम निरक्षक सरिता साहू स्वास्थ्य विभाग से बीसीएम सुनील परनामें वी एल ए राकेश कीर उपस्थित रहेश्रम विभाग द्वारा बताया गया कि पंजीयन की सुविधा के लिए Narmadapuram स्थित सहायक श्रमायुक्त कार्यालय में श्री हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है। योजनांतर्गत पात्र असंगठित श्रमिक आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं ई-श्रम कार्ड के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं।योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र में कार्यरत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे व्यक्तियों को मिलेगा जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से अधिक न हो, वे आयकर दाता न हों तथा National Pension System, Employees' Provident Fund Organisation अथवा Employees' State Insurance Corporation के हितग्राही न हों। योजना में सम्मिलित होने पर आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये तक का मासिक अंशदान निर्धारित है। हितग्राही द्वारा जमा की जाने वाली राशि के बराबर अंशदान केंद्र सरकार द्वारा भी दिया जाता है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात हितग्राही को 3000 रुपये प्रतिमाह आजीवन पेंशन प्रदान की जाती है। पेंशनधारी की मृत्यु होने पर पति या पत्नी को 1500 रुपये प्रतिमाह पारिवारिक पेंशन आजीवन देय होगी।पंजीयन प्रक्रिया कॉमन सर्विस सेंटर अथवा लोक सेवा केंद्र के माध्यम से की जा सकती है। इसके लिए बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड आवश्यक दस्तावेज के रूप में अनिवार्य हैं। श्रम विभाग ने पात्र श्रमिकों से योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है।

मिशन वात्सल्य के तहत बाल तस्करी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में मिशन वात्सल्य अंतर्गत बाल दुर्व्यापार (चाइल्ड ट्रैफिकिंग) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम में माननीय सचिव एवं न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तृप्ति त्रिपाठी, अभय सिंह, ललित कुमार डेहरिया, शैलेन्द्र कौरव सहित बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, विशेष किशोर पुलिस इकाई, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, महिला सेल, महिला थाना, सीआरपीएफ, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, बाल देखरेख संस्थाओं एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित कुमार डेहरिया ने जानकारी दी। माननीय सचिव द्वारा बालकों के संरक्षण हेतु बनाए गए कानूनों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर प्रशांत दुबे, निदेशक आवाज संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल दुर्व्यापार और बच्चों के संरक्षण से संबंधित प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

श्रम विभाग की पहल से श्रमिक को मिला बकाया वेतन, 14 हजार रुपये का भुगतान कराया

नर्मदापुरम(ए.)। श्रम विभाग को गुरुवार 12 फरवरी को प्राप्त शिकायत के अनुसार आवेदक रवि प्रकाश गुप्ता, निवासी काशी नगर द्वारा बताया गया कि उन्होंने निर्माणाधीन संस्थान में त्रुपाथ इंजीयनरिंग के ठेके के अंतर्गत अगस्त 2025 से फरवरी 2026 तक कार्य किया था, किंतु संस्थान द्वारा उन्हें ओवरटाइम एवं वेतन मद में 14,000 रुपये का भुगतान नहीं किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू द्वारा कार्यालय स्तर पर दोनों पक्षों के मध्य समझौता बैठक आयोजित की गई। बैठक में चर्चा उपरांत संस्थान द्वारा शिकायतकर्ता श्रमिक को 14,000 रुपये की बकाया राशि का भुगतान कराया गया। शिकायतकर्ता ने प्राप्त भुगतान पर संतोष व्यक्त करते हुए श्रम विभाग की कार्यवाही के प्रति आभार जताया।

समाधान योजना में अब तक 05 लाख 58 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने लिया सरचार्ज में छूट का लाभ

553 करोड़ 90 लाख मूल राशि हुई जमा, 267 करोड़ 70 लाख का सरचार्ज हुआ माफ

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का द्वितीय व अंतिम चरण 28 फरवरी तक लागू है। इस दौरान तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया। कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं योजना के प्रथम चरण में शामिल नहीं हो पाए वे अब द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। श्री गर्ग ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 में अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 5 लाख 58 हजार 598 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 553 करोड़ 90 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 267 करोड़ 70 लाख रुपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की कार्रवाई, रेत का ओवरलोड परिवहन करते 9 डम्पर जब्त,

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्रीन पार्क ढाबा नर्मदापुरम के पास से 9 डम्परों को रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए जब्त किया गया। जप्त किए गए डम्परों के क्रमांक RJ17GB3374, MP04Y5499, MP04ZJ5639, MP40ZF7939, MP04HE5739, MP04YT5410, MP04ZS5439, RJ17GC9311 एवं MP04HE5808 हैं। सभी वाहनों को सुरक्षार्थ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय नर्मदापुरम परिसर में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई के दौरान जय सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम, दिवेश मरकाम, जिला खनिज अधिकारी, पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक, सौरभ पाण्डे, थाना प्रभारी देहात, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्रभार खनि निरीक्षक, हेमंत राज, सिपाही एवं होमगार्ड बल मौजूद रहा। जब्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कृषि विभाग नरवाई प्रबंधन एवं मूंग के विकल्प के संबंध में किसानों से आवश्यक सुझाव आमंत्रित करें : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

प्राकृतिक खेती एवं पशु नस्ल सुधार में वृहद स्तर पर कार्य संपादित किए जाएं
कमिश्नर ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता विभाग की बैठक में दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि विभाग किसानों के बीच जाकर नरवाई का बेहतर प्रबंधन करने के लिए किसानों से आवश्यक सुझाव मांगे, साथ ही मूंग के विकल्प के रूप में कौन सी फसल लगाना उचित रहेगा इसके लिए भी किसानों एवं जनप्रतिनिधियों से आवश्यक सुझाव आमंत्रित करें। उक्त निर्देश नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। कमिश्नर ने कहा कि नरवाई की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। प्रदेश में नर्मदापुरम जिले का नाम नरवाई जलाने वालों में प्रमुख स्थान पर है। यह हम सबके लिए विचारणीय है। कमिश्नर ने कहा की नरवाई का बेहतर से बेहतर और आसान प्रबंधन कैसे हो इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारी किसानों एवं जनप्रतिनिधियों से सलाह ले एवं उनके दिए गए सलाह के अनुरूप उसका पालन करें। कमिश्नर ने कहा कि कस्टम हायरिंग सेंटर्स में रखे कृषि यंत्रों का किसान कृषि कार्यों में ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें, इसके लिए कस्टम हायरिंग सेंटर का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कस्टम हायरिंग सेंटर में रखें कृषि यंत्रों की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाए। इसके लिए विशेष तौर पर दीवार लेखन भी किया जाए। ताकि कस्टम हायरिंग सेंटर की जानकारी किसानों तक पहुंच जाए। कृषि यंत्रों की भी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से एंट्री की जाए।कमिश्नर ने सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की दुग्ध समिति एवं समिति के सदस्यों के खाते सहकारिता बैंक में खुलवाए जाए, उन्होंने 06 पैक्स समिति जो प्रस्तावित है उसे बनाने के निर्देश दिए। सहकारी समितियों में जन औषधि केंद्र स्थापित करने और राजस्व रिकवरी बढ़ाने के निर्देश दिए।कमिश्नर ने कहा कि कृषि विभाग किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करे, शासन द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए दिए जाने वाले अनुदान सहायता राशि के संबंध में किसानों को समझाइश दी जाए और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को अनुदान सहायता राशि का लाभ भी दिलाया जाए। कमिश्नर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी की वह शासन के निर्देश के अनुसार अपने-अपने जिले में मिलेटस मेला का आयोजन अनिवार्य रूप से कर ले और तत् संबंध में प्राप्त बजट का भी उपयोग करें। कमिश्नर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी कि वे खेत पाठशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन कर किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता, प्राकृतिक खेती एवं शासन द्वारा किसानों को दिए जा रहे हैं अनुदान योजनाओं की जानकारी से अवगत कराए। उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में किसानों की खेत की मृदा का परीक्षण भी अनिवार्य रूप से किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि पशुपालन विभाग दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार पर विशेष ध्यान केंद्रित करें, साथ ही दुधारू पशुओं में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सभी पशुपालकों तक पहुंचाएं और पशुपालकों को विभाग की गतिविधियों एवं योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें ताकि पशुओं में आवश्यक नस्ल सुधार किया जा सके और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। बताया गया कि नगर पालिका द्वारा कुत्तों के रहने के लिए शेल्टर होम का निर्माण किया जा रहा है तत संबंध में नगर पालिका नर्मदा पुरम में टेंडर हो चुके हैं। और बाकी नगर पालिकाओं में टेंडर की प्रक्रिया जारी है। शेल्टर होम के लिए डॉग व्हीकल एवं डॉग क्रेचर का भी क्रय किया जा रहा हैं।

इटारसी-पिपरिया में वरिष्ठ नागरिकों हेतु हॉलिस्टिक वेल बीइंग कैंप आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। आयुक्त आयुष विभाग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में जिला आयुष अधिकारी डॉ. श्रीराम करोजिया के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के लिए हॉलिस्टिक

वेल बीइंग कैंप का आयोजन किया गया। शिविर रोटरी क्लब राम वृद्धि कल्याण समिति न्यास कॉलोनी इटारसी तथा नगर पालिका पिपरिया वृद्धाश्रम बस स्टैंड पिपरिया में संपन्न हुआ। इटारसी वृद्धाश्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर के प्रथम नागरिक पंकज चौरे, नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में नवनीत कोहली, संचालक रोटरी क्लब उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ शिविर का शुभारंभ किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में आयुर्वेद, योग, ऋतुचर्या एवं दिनचर्या के पालन से स्वास्थ्य संवर्धन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि ने आयुष विभाग की इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया। पिपरिया वृद्धाश्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर की प्रथम नागरिक नीना नागपाल, नगर पालिका अध्यक्ष पिपरिया ने की।

/जाहिर सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **Transfer Certificate** (TC) लगभग 10 दिन पूर्व, दिनांक लगभग 02/02/2026 के आसपास कहीं गुम हो गया है।
विद्यार्थी का नाम: Sumit Chouhan
पिता का नाम : La&mi Narayan Chouhan
कॉलेज का नाम : NES College, Narmadapuram
कोर्स : BCA
बैच : 2015
काफी खोजबीन करने के बाद भी उक्त TC प्राप्त नहीं हुआ है। यदि किसी व्यक्ति को यह प्रमाण पत्र मिले तो कृपया नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का कष्ट करें।
मोबाइल नंबर: 9589992286

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com